



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 17, 1979 (फाल्गुन 26, 1900)

No. 11]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 17, 1979 (PHALGUNA 26, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)

भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विभिन्न नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .

भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)

भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .

भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विभिन्न नियमों, विनियमों, आदेशों

और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .

भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों,

छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .

भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . .

भाग II—खंड 2—विषेषक और विषेषकों संबंधी प्रबन्ध समितियों की रिपोर्ट . . . .

भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और

पृष्ठ	जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) . . . .	पृष्ठ
127	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	765
321	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	101
15	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्रम, संघ लोक-से प्रायोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	2075
195	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	161
321	भाग III—खंड 3—मुख्य आयोगों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . .	983	
1—	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	29

## CONTENTS

	PAGE
<b>PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .</b>	765
127	
<b>PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .</b>	741
321	
<b>PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence .. .</b>	101
15	
<b>PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence .. .</b>	2075
195	
<b>PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations .. .</b>	—
321	
<b>PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .. .</b>	—
—	
<b>PART II—SECTION 3.—Sub. Sec. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India .. .</b>	983
—	
(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories .. .	29
<b>PART II—SECTION 3.—Sub. Sec. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..</b>	741
—	
<b>PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..</b>	161
—	
<b>PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..</b>	—
—	
<b>PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..</b>	—
—	
<b>PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .</b>	—
—	
<b>PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .</b>	—
—	
<b>PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. .</b>	—
—	

**भाग I—पर्ट 1**  
**[PART I—SECTION 1]**

**(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विवित नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएँ**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई विलो-110001, दिनांक 23 फरवरी 1979

आदेश

सं० 27 (26) 79 सी० एल० 2—कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 290 कक्षी उपधारा 1 के खंड (2) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग के निम्नानुक्रित अधिकारियों को कथित धारा 209 के उद्देश्य के लिए प्राधिकृत करते हैं :—

1. श्री सूरज कपूर, संयुक्त निदेशक, निरीक्षण, कम्पनी विधि बोर्ड, नई दिल्ली।
2. श्री बी० भवानी शंकर, संयुक्त निदेशक, नेत्रा, कम्पनी विधि बोर्ड, नई दिल्ली।
3. श्री एन० क० गोपल, संयुक्त निदेशक, निरीक्षण, कम्पनी विधि बोर्ड, नई दिल्ली।

2 केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, श्री सूरज कपूर, संयुक्त निदेशक (नेत्रा) तथा श्री बी० भवानी शंकर, उप निदेशक, निरीक्षण के पक्ष में प्रेषित दिनांक 6-2-78 के आदेश में संख्या 27 (8) 77 सी० एल० 2 तथा दिनांक 7 जून 1976 के आदेश संख्या 27 (5) 76 सी० एल०-2 के प्राविकरण को रद्द करते हैं।

एस० बलरामन, अवर सचिव

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नियम

नई विलो, दिनांक 17 मार्च 1979

सं० 11013/1/79-माई० ६० एस०—निम्नलिखित सेवाओं में ग्रेड-IV की रिक्तियों को भरने के लिए 1979 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (i) भारतीय अर्थ सेवा, और
- (ii) भारतीय सांख्यिकीय सेवा
2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए

रिक्तियों का भारक्षण सरकार द्वारा यथा निर्धारित रूप में किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अभिग्रात निम्नलिखित आदेशों उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक में है :—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, [अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों सूचियां (आशोधन) आदेश 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960, पञ्चाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) आदेश 1959 [अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियों आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार हीपसमूह) अनुसूचित जन जातियों आदेश 1959 [अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियों आदेश (संशोधन) आदेश 1962 संविधान (वावरा और नागर हैबेली) अनुसूचित जातियों आदेश 1962 संविधान (वावरा और नागर हैबेली) अनुसूचित जन जातियों आदेश 1964 संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियों आदेश 1964 संविधान (प्रभुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967 संविधान (गोद्वा दमन और दियु) अनुसूचित जातियों आदेश 1968 संविधान (गोद्वा दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियों आदेश 1968 और संविधान (नागासेन) अनुसूचित जन जातियों आदेश 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिणाम-1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4 उम्मीदवार—

- (क) भारत का नागरिक या
- (ख) नेपाल की प्रजा या
- (ग) भूटान की प्रजा व्यवरेय हो या
- (घ) ऐसा तिथ्यती शरणार्थी जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी 1962 से पहले भारत आ गया हो या
- (इ) कोई भारत भूलक व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों

जांचिया, मलाई, जैरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवासन पर आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (झ) बगों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पालता (एली-जोड़िलीटी) प्रमाण-पत्र होता आहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पालता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्त प्रस्ताव के बल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पालता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5(क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी 1979 को 21 वर्ष पूरी हो गई हो किन्तु 28 वर्ष न दूर हो, प्रथम उसका जन्म 2 जनवरी 1951 से पहले और 1 जनवरी 1958 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी :—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (प्रब बांगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (प्रब बांगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक छाठ वर्ष।
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रस्तावित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवासन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रस्तावित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवासन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।
- (vi) यदि बोर्ड उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) है और ऐसा उम्मीदवार जिस के पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाणपत्र है और जो वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं प्राप्त है तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक छाठ वर्ष।

(ix) किसी दूसरे देश के साथ संधर्ष में या किसी प्रशांतिग्रस्त ध्रोक्ष में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक अधिक तीन वर्ष।

(x) किसी दूसरे देश के साथ संधर्ष में या किसी प्रशांतिग्रस्त ध्रोक्ष में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक छाठ वर्ष।

(xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संधर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के रक्षा कार्मिकों के लिए अधिक से अधिक छाठ वर्ष।

(xii) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संधर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों अधिक से अधिक छाठ वर्ष।

(xiii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और इंजानिया, संयुक्त गणराज्य से प्रवासन किया हो या जांचिया, मलाई जैरे और इथियोपिया से प्रवासनित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(ग) ऐसा उम्मीदवार जो निर्धारित तारीख अवधि पहली जनवरी, 1979 को निर्धारित ऊपरी आयु-सीमा से अधिक प्राप्त हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत निश्चियत किया गया था या 25-6-75 तथा 21-3-77 के बीच की आन्तरिक आपात स्थिति की प्रवधि के दौरान अभियान कार्य-कलापों या नकानीन प्रतिष्ठित संगठनों से सम्बन्धित होने के कारण भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन गिरफतार या कैब हुआ था और इस प्रकार उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु-सीमा के अन्दर होते हुए भी परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया गया था, इस शर्त पर परीक्षा में बैठने का पात्र होगा कि जून 1975 और मार्च, 1977 के बीच की अवधि के दौरान वह परीक्षा में कम से कम एक बार भी नहीं बैठ पाया हो प्राप्तिंत् (उसने परीक्षा छोड़ दी हो) जिसके लिए वह सब प्रकार से पात्र था।

लिखणी :—इस रिकायत के अन्तर्गत जो कि 31-12-1979 के बाद होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिए प्राप्त नहीं होगी एक से अधिक अवसर नहीं दिया जाएगा।

ऊपर दी गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

5. भारतीय शर्त सेवा के लिए उम्मीदवार के पास केन्द्र या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम 1956 द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की व्यवसायस्थ या सांस्कृतिक विषय सहित किसी अधिक उसके समक्ष योग्यता होनी चाहिए।

**टिप्पणी I:** यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उन्नीं कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किन्तु अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम मात्री जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उन्नीं होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर द्वादश में 30 अक्टूबर 1979 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

**टिप्पणी II-** विशेष परिस्थितियों में संघ लालं सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है जिसके पास पूर्वोक्त योग्यताओं में से कोई भी योग्यता न हो यथातः कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएँ उत्तीर्ण की हों जिनके स्तर को वेतने हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित ममता,

**टिप्पणी III-** यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा अपना प्राप्त हो किन्तु उसने किसी विदेशी विश्वविद्यालय से द्वितीय प्राप्त की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नाटिय के द्वारा 6 में निर्धारित कीस अवश्य देना होगी।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में अस्थायी रूप से काम कर रहे हों वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों, उन सबको अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान की ओर से आयोग के नौटिके के अनुबंध के द्वारा 2 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार “आपात्काल प्रमाण-पत्र” प्रस्तुत करना होगा।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार वी पात्रता या प्रपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अनियम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में नव तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सटी-फिलेट और एक्सीशन) न हो।

#### 11. जिस उम्मीदवार ने

- किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया हो अथवा
- नाम बदल कर परीक्षा दी है अथवा
- किसी अन्य व्यक्ति में छह रूप संकार्म साधन कराया है अथवा
- जानी प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में केर-बदल किया गया हो अथवा
- गश्त या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महस्वपूर्ण तथ्य को लियाया है अथवा
- परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अन्य अनियमित प्रथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है अथवा
- परीक्षा के गमय अनुचित साधनों का ब्रायोग किया हो अथवा
- उत्तर पुरितकार्यों पर असंगत बातें लिखी हों जो अस्तील भाषा में या अभद्र भाषण की हों अथवा

(IX) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटनाकारिया का अधिकारी हो अथवा

(x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक शक्ति प्रदान की हो अथवा;

(xi) पूर्वोक्त खण्डों में उल्लिखित भी अधिकारी किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अवधिरित करने का प्रयास किया हो जैसी भी स्थिति हो तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रालीकृत्यान) लालाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे:—

(क) आयोग द्वारा उम परीक्षा से जिसका यह उम्मीदवार है बैठने के लिए अद्योग्य ठहराया जा सकता है अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप में अधिकारी एक विशेष प्रवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अधिकारी चयन से

(ii) केंद्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपवृत्ति किया जा सकता है और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में हो तो उसके विशेष उपयुक्त नियमों के अधीन अनुसारिक कार्यालय को जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उन्नें न्यूनतम अर्हक शंक प्राप्त कर लेगा जिनमें आयोग अपने नियंत्रण में निश्चित करें तो उम आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

किन्तु यह है कि यदि आयोग के मानानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए मामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में अविकल्प परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाया जा सके तो आयोग द्वारा स्तर से बीते देशर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को अविकल्प परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. परीक्षा के बाद आयोग उम्मीदवारों के द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता कम से उनकी सूची बनायेगा और उसी कम से उन उम्मीदवारों में से जिनमें लोगों की आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए अनुशंसा की जाएगी। उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिनमें अनारक्षित रिक्तियों को भरने का निर्णय किया जाता है वे नियुक्तियों उनको देखकर होंगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं लिए जा सकते हों तो उनके आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर से छठे देशर अनुशंसा की जा सकेगी वहाँ स्थान क्यों न हो नियुक्ति के लिए उनकी अनुशंसा की जा सकेगी वहाँ स्थान के लिए उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उपयुक्त होंगे।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाकाल की ‘मूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाकाल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पवान्नार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ रहा हो, तो उम्मीदवार द्वारा प्रपत्र प्रावेदन-पत्र वेत्ते समय अधिकत किए गए वरीयता क्रम पर उचित रूप से विचार किया जाएगा ।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक ये उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा वरीयता क्रम में पारबंदन से संबद्ध किसी भी अनुरोध को नब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध सिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के भीतर संधि लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता ।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जाव के बाद सत्याष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चर्चित तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि में इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है ।

17. उम्मीदवार को भारतीय और शारीरिक दृष्टि से स्वत्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होमा जाहिए जिससे सम्बंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों की कुशलतापूर्वक न निभा सके । यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाकटरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे पर यह पाया जाए कि वह इस अवैश्वानिकों को पूरी नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी । अविकल्प परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की डाकटरी परीक्षा करायी जा सकती है ।

टिप्पणी : कहीं निराशा न होना पड़े इसलिये उम्मीदवारों को मताह दी जानी है कि ये परीक्षा में प्रवेश के लिए प्रावेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा ले । नियुक्ति में पहले उम्मीदवार की किस प्रकार की डाकटरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके बारे इन नियमों के परिचार III में दिए गए हैं । रक्त सेवाओं के भूतपूर्व विकलाग हुए तथा उसके कल-स्वरूप नियुक्त हुए सैनिकों को और 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलाग हुए तथा उसके फलस्वरूप नियुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के कार्यक्रमों की सेवाओं की आवश्यकताओं के प्रत्युपर्य डाकटरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी ।

18. जिन व्यक्तिने :-

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया हो विशेष पहले से जीवित पति/पत्नी हो, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहने हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है सो वह उसके सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा ।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है ।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिचार II में दिया गया है ।

पी० जॉ० लेने, उप सचिव

#### परिचार-II

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी ।  
भाग—I—नीचे विख्याएँ गए विषयों में एक सिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे ।

भाग—I—आयोग द्वारा जिन उम्मीदवारों को बुलाया जाता है, उनके लिए सामिक परीक्षा होगी [इस परिचार-II की अनुमूलीका का भाग (क) देखिए] जिसके पूर्णांक 250 होंगे ।

2. भाग I के प्रत्यार्थी लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है :-

क्रमांक	विषय	पूर्णांक	निर्धारित समय		
1	2	3	4	5	6
क.	भारतीय अर्थ सेवा				
1.	सामान्य अंगेजी	150	3 घण्टे		
2.	सामान्य प्रध्ययन	150	3 घण्टे		
3.	सामान्य प्रध्यायास्त	200	भाग I (भाग I और भाग II)	1 घण्टा } 2 घण्टे }	3 घण्टे
4.	सामान्य प्रध्यायास्त II	200	भाग I (भाग I और II)	1 घण्टा } 2 घण्टे }	3 घण्टे
5.	भारतीय अर्थपास्त	200	भाग I (भाग I और II)	1 घण्टा	3 घण्टे

#### ब. भारतीय सांखिकीय सेवा

1. सामान्य अंगेजी	150	3 घण्टे
2. सामान्य प्रध्ययन	150	3 घण्टे
3. सांखिकी I	200	3 घण्टे
4. सांखिकी II	200	3 घण्टे
5. सांखिकी III	200	3 घण्टे

नोट I—सामान्य अंगेजी और सामान्य प्रध्ययन विषयों पर प्रश्नपत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे ।

नोट II—भारतीय अर्थ सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 रो 5 के विषयों से संबंधित प्रश्नपत्र के भाग I में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे और इन विषयों के प्रश्नपत्रों के भाग II में संक्षिप्त उत्तर और नियंत्रण वाले प्रश्न पूछे जायेंगे ।

नोट III—भारतीय सांखिकी सेवा के क्रमांक 3 और 4 विषयों के प्रश्नपत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे और क्रमांक 5 से संबंधित प्रश्नपत्र में नियंत्रण वाला प्रश्न पूछा जाएगा ।

नोट IV—अन्य विवरण के लिए, जिसमें विभिन्न विषयों के प्रश्न-पत्रों में पूछे जाने वाले वस्तुपरक प्रश्न भी सामिल हैं, परिचार IV पर उम्मीदवारों की विवरणिका देखिए;

नोट V—उपर्युक्त विषयों के स्तर और पाठ्यक्रम इस परिचार की अनुसूची के भाग 'क' में दिए गए हैं ।

3. मध्ये प्रश्नपत्रों के उत्तर अंगेजी में लिखने चाहिए ।

4. उम्मीदवार को प्रश्नपत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे । उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

5. आयोग अपने मिशन्य से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के प्रत्येक प्रांक निर्धारित कर सकता है ।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिक्षणट आमानी से पहले लायक न हों तो उसको मिलने वाले कुल अंकों में मेरे कुछ अंक काट सिए जाएंगे।

7. केवल गांधी जन के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में मुख्यवस्थित, प्रभावशाली और मही वंग में की गई अभियंजना को श्रेय दिया जाएगा।

9. प्रणयनवारों में जहाँ, आवश्यक हो, तोलों और मापों की केवल मैट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

### अनुसूची भाग 'क'

सामान्य अंगें और सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के विज्ञान स्तर से होंगे। अन्य विषयों के प्रश्नपत्रों संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय कीमास्टर डिप्लोमा परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अंगें की जाती है कि वे मिलात को तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करें और मिलात की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। अर्थशास्त्र और सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं में विशेष रूप से गवाहित हों।

### सामान्य अंगें

प्रश्न इम प्रकार पूछे जाएंगे जिसमें उम्मीदवारों को अंगें समझने और अंगें गर्दों का बुशल प्रयोग करने की क्षमता की जांच हो सके।

### सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र में वर्तमान घटनाक्रम की जामानारी ज्ञानित होती और कुछ ऐसे सामग्रे भी होंगे जो वैनिक निरीक्षण और पत्रभूषण [से संबंधित हैं] और जिनको वैज्ञानिक दृष्टीकोण से एक पढ़ा जित्ता भादरी समझ सकता है। इस प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित प्रश्न भी होंगे जिनका स्तर उत्तर विशेष अध्ययन के बिना ही उम्मीदवार दे सके।

### सामान्य अध्ययन-।

उपर्योक्ता की मांग का मिलात। तदन्तर्था वश विश्लेषण, प्रकट अधिमानता अभिगम।

उत्पादन का मिलात : उत्पादन के तत्व, उत्पादन क्रृत्य, प्रतिफल के तियम, प्रतिष्ठान और उद्योग का संतुलन

मूल्य का सिलांत : विषयन व्यवस्था के विविध रूपों में मूल्य निर्धारण सार्वजनिक उपयोगिता मूल्यन।

विनाश मिलात उत्पादन के तत्वों का मूल्यन, भाइ, मजदूरी, ध्याज और लाभ के मिलात विशाल विनाश मिलात संकलन समस्या आय विनाश में असमानताएं।

कल्याण मूलक अवधारणा : प्राचीन और नवीन कल्याणमूलक अर्थशास्त्र, क्षतिग्रन्थि नियम, नीतिमूलक ग्रंथियाँ।

राज्यीय आय की अवधारणा-सामाजिक लेखा, नियोजन का मिलात, नियम और सुवर्त्तनीय, जातीय और नववास्तीय अभिगम नियोजन के संबंध में कीन्य का मिलात और कीन्स के बाद की गतिविधियाँ।

### सामान्य अध्ययन-॥

आधिक विकास की अवधारणा और उसका मापन-विकास के मिलात विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समस्याएँ: अनमेल्या दृष्टि और आधिक विकास।

आयोजन अवधारणा और पद्धतियाँ : आधिक संगठन की पूर्जीवादी और समाजवादी प्रणालियों के अन्तर्गत आयोजन मिश्रित अर्थ व्यवस्था में

आयोजन, परिवृष्ट्यात्मक आयोजन, क्षेत्रीय आयोजन, निवेश के निर्धारण और प्रविश्यों का चयन।

यन्त्र गण्डीय अध्ययन अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के मिलात, व्यापार से लाभ, व्यापार की शर्तें, व्यापार नीति, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और आधिक विकास व्यापार शूलक पद्धति के मिलात।

भूगतान संकुलन : भूगतान भूकुलन में असमानताएं, समंजन की प्रक्रिया विवेश व्यापार विनियम की दरें। आयात और विनियम के नियंत्रक।

आई० एम० एक० और अंतर राष्ट्रीय मुद्रा सुधार—जी० ए० टी० डी०, आधिक विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय सहायता, आई० ए० एर० डी० और उसके अनुबंध।

मंद्रा :—उम्मा मूल्य और प्रयोजन, मंद्रा नीति, केन्द्रीय और बाणिज्यिक बैंकों के कार्य।

राजविनीय नीति और उसके लक्ष्य : करायान और व्यय के मिलात, मार्वजनिक व्यय के लक्ष्य और परिणाम, करायान का प्रभय और घटन-घटे की विन व्यवस्था, मार्वजनिक व्यय का मिलात।

अर्थशास्त्र में सांख्यिकी का प्रयोग, सांख्यिकीय ग्रौसते और विचलन के माप मूल्यों और परिमाणों के संचाकाक उनकी सीमाएं।

### भारतीय अर्थशास्त्र

भारतीय अर्थ व्यवस्था के बुनियादी लक्षण-विकास तंत्र-कृषि और उद्योग की भूमिका-विवेश-व्यापार की भूमिका-संतुलित विकास की अवधारणा।

आयोजन उद्देश्य, प्राथमिकताएं और समस्याएं-पंचवर्षीय योजनाएं—माध्यन संपादन की समस्या।

कृषि : नया कृषि-तंत्र-भूमंडल और भू मुद्रार—बैंकी साथ—सिलाई और उर्जकों का स्थान—कृषि विपणन-कृषि उत्पादों के मूल्य—कसल आयोजन—मामुद्राविका विकास—उपाजीविका और आमोदोग।

महकारिता : आयीण विकास में दसका स्थान—भौतक में भक्तक आदोक्षन का विकास।

उद्योग : आयोगिक विकास का व्यूह—स्थल निर्देश की समस्या—बूद्याकार और लघु उद्योगों की भमस्याएं—आयोगिक नीति—आयोगिक मंदादाएं—आयोगक वित्त के मंगाधन—विदेशी पूँजी की भूमिका—मार्वजनिक उद्यम: संगठन प्रबंध नियंत्रण और समर्वनीयता मूल्य नीति।

श्रम : जेजगारी, बेरोजगारी और कम रेजगारी—आयोगिक संपर्काएं—श्रम कर्त्याण—श्रम नीति—मजदूरी, मूल्य और आय नीति—

विदेशी व्यापार : भारत के विदेशी-व्यापार की प्रमुख विनाकाएं-विदेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार-भूगतान संतुलन।

मंद्रा और बैंकिंग : भारतीय मुद्रा विधि का संगठन—बाणिज्यिक बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंकों की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति—

मार्वजनिक वित्त नीति—मार्वजनिक व्यय की बुद्धि-करायान नीति—सपष्ट और राज्य मस्कारों के लिए राजस्व के प्रमुख स्रोत—सार्वजनिक व्यय नीति—घाटे की विन व्यवस्था—संव और राज्यों के बीच वित्तीय मंबंध—

## मांडियकी—I

नोट: केवल चमत्कृत (बहुविकल्पक) प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रायिकता (40 प्रतिशत प्रधानता)—माप भिन्नों के नव्य-प्रसिद्ध परिभाषाएँ और व्यंय मिल अभिगम—प्रतिदर्श प्रश्नकाण—संकुल और संकलित प्रायिकता के नियम—घटनाओं में से घटनाओं को प्रायिकता—प्रतिदर्श प्रायिकता—व्यंय का प्रमेय—सायोगिक विचरण—विश्व प्रौढ़ और अविश्व—विनरण कार्य—मानक प्रायिकता विनरण—वर्तमानी, समूह, विपरीय, पाइसन, ज्यामितीय, आवृत, धारीय, सामाय, काची, पराज्यामितीय, बहुपरीय, लालेस, शृंगद्विरीयी, भीटा, सामा, लचुमामाय तथा संकलित पाइसन विनरण—प्रभिमरण, विनरण में, प्रायिकता में और प्रायिकता पुक के बाय और साध्य वर्ग में—आधुर्जन और संचायक—गणितीय अवधारणा और प्रतिवंध अवधारणा—ज्ञानात्मक पूछन और आधूर्जन तथा प्रायिकता जनक फलन—विलोम विनरण अवधारणा और सातत्य रिहाई—टेकेवाइचेक और कोल्मोरोरोव असमानताएँ—वृहद् गंधा नियम और स्वतंत्र विचरणों के लिए केन्द्रीय सीमा निर्दोष।

## मांडियकीय पद्धतियाँ (15 प्रतिशत प्रधानता)

नव्यों का संग्रह, संकलन और प्रस्तुतीकरण—चाटे, छायाम और हिम्टोग्राम—आधुनिक विनरण—निर्देशन, विक्षेपण और विद्यमता का माप द्विचर और बहुचर नव्य—सामृद्ध और आसंग—वक्र समंजस और लालिक बहुपद—द्विचर विनरण—द्विचर सामाय विनरण—समाश्रण्य, रेखीय, बहुपरीय—सहसंबंध गुणोंका विनरण—अधिक और बहुत सहसंबंध—अन्तर्गीय सहसंबंध—सहसंबंध अनुपान—

मानक क्लिटा और बहुत प्रतिदर्श परीक्षण—प्रतिवर्ण विनरण—(x, s, t, chi—वर्ग और F) —इन पर आधारित प्रमुखांग परीक्षण—गैर-परामितीय परीक्षण—साइन, मोडियन, रन, विलोमाक्षम, संकलिती वाल्ड बुलफोटिंग आदि—वरीयता अम साइयकी—अल्पतम, अधिकतम, रेंज और मोडियन।

## आकड़ों का विश्लेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

लागरेज न्यूटन—ऐंगरी, न्यूटन (विभाजित अंतर), गास और स्टॉलिंग पर प्रतिलिपि अन्तर्वेशन सूक्ष्म (शेष संभावना सहित)—पूलर मैकलारिन का संकलन सूक्ष्म-विलोम अन्तर्वेशन—आकड़ों का समाकलन और अवकलन—प्रथम गुणोंका विभेद समीकरण—

## मांडियकी—II

नोट: केवल चमत्कृत (बहुविकल्पक) प्रश्न पूछे जाएंगे।

## एकमात्रीय प्रतिमान (25 प्रतिशत प्रधानता)

एक धारीय आकलन का निर्दोष—गास मार्कफ प्रतिष्ठापन—कनिष्ठ वर्ग आकलन—जी—विलोम का प्रयोग—एक नरफा और दो तरफा वर्गीत नव्य का विश्लेषण—निर्देशन, मिश्रित और यादृच्छिक प्रभाव वाले प्रतिमान—समाश्रण्य गुणोंके लिए परीक्षण—

## आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता)

अच्छे आकलन के लक्षण—प्राथमिक संभावना, विनिष्ठ चीजों वर्ग, साधूर्जन और कनिष्ठ वर्गों की आकलन पद्धतियाँ—प्राथमिक संभावना आकलन-केनर गत्र असमानता-भट्टाचार्य परिसीमाएँ—पर्याप्त आकलन—गुण खड़न प्रमेय—सम्पूर्ण आंकड़े—राश—इलैक्वेल प्रमेय—विश्वास अंतर्गत आकलन—हाइटम विश्वास परिसीमाएँ:

## परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

सरल और जटिल परिकल्पना—वो प्रकार की कुटियाँ—क्रांतिक थेट्र—विभिन्न प्रकार के क्रांतिक थेट्र और सर्व थेट्र—धारा-प्रत्ययन

प्रभावशाली और गमन रूप से अध्यन प्रभावशाली परीक्षण—नेमन, परिश्वेत अधारभूत सेमा—अनमितन परीक्षण—स्थानीपुलाफ परीक्षण—गमनाना अनुपान परीक्षण—बाल्ड का SPRT—OC और ASN कलन—निर्णय के प्रायिकता नाम और बैल निर्दोष—

## बहुचर विश्लेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

बहुचर समात्य विनरण—माध्य प्रसारक का आकलन और सहचारिता थूह-होटिंग का T2 स्थैतिक—महलनाविम D2 स्थैतिक—बहुचर सामान्य जनमंड्या के प्रतिदर्श में प्रायिक और बहुत महसंबंध गुणों—

विशार्द का विनरण, उसका प्रतिस्पृणात्मक और अन्य स्वभाव—विलोम का निकाश—विचरेनात्मक फलन—प्रमुख वटक—नियमानुकूल विचर और सहसंबंध

## मांडियकी—III

नोट: केवल विश्व गैली के प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें मुदीय और जटिल निरूपण आवश्यक न हों।

## भाग 'क' (सब के लिए अनिवार्य)

## प्रतिदर्श प्रविधियाँ (35 प्रतिशत प्रधानता)

जनगणना बनाम प्रतिदर्श सर्वेक्षण—प्रारंभिक और विस्तृत प्रतिवर्णी सर्वेक्षण—प्रतिस्पृणात्मक के साथ या उसके बिना सरल यादृच्छिक प्रतियथन और प्रतिवर्णी आवंटन—सागत और विचरण फलन—आकलन की आन-पातिक और समाश्रयी पद्धतियाँ—आकार के समानुपात में प्रायिकता भवित प्रतिक्षयन—संकुल, दुहरा, बहुल्पी, बहुस्तरीय और व्यवस्थित प्रतिक्षयन-अतः प्रवेशी उप-प्रतिक्षयन-प्रतिक्षयन-वृटियाँ।

## अर्थ साइयकी (25 प्रतिशत प्रधानता)

समय श्रेणी के घटक—उनके निर्धारण की विधियाँ—विचरण विसेद पद्धति—मूल, स्वस्त्री, प्रभाव—सहसंबंध वित्र—प्रथम और द्वितीय क्रम के स्वर्णसमाध्रमी प्रतिदर्श—

समाश्रय चित्र का विश्लेषण—मूलयों और परिमाणों के सूचकांक और उनके संपर्क गुण-योक और खुदरा मूलयों के सूचकांक की रचना-आय विनरण—वैटिटी और इंगेल वक्र—एकाग्रता वक्र—राष्ट्रीय आय का आकलन करने की पद्धतियाँ—बंडानार प्रवाह—अन्तर्रीयोगिक तालिका।

## भाग '(ब्रह्म)

(उपर्युक्त निम्नांकित विषयों में से किसी भी विषय पर प्रश्नों के उत्तर दें सकते हैं।)

## (i) सांस्कृतिक गुण नियंत्रण और परिचालन अनुसंधान (40 प्रतिशत प्रधानता)

विवरों और गुणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रक चित्र-गुणों के द्वारा स्वीकृति प्रतिक्षयन—एकल, द्वितीय और शुद्धलामूलक प्रतिक्षयन योजनाएँ—OC और ASN कलन—AOQL और ATI का धारणा-विचर के द्वारा स्वीकृत प्रतिक्षयन—जागृज रोगिक और अन्य तालिकाओं का प्रयोग।

परिचालन अनुसंधान का अभिगम—ऐव्वागत कार्यालय के प्राथमिक तत्व—सिस्टेम प्रक्रिया—परिवहन और नियोजन समस्याएँ—द्वांद्वात्मकता का नियम—एकल और बहुत आवधिक सूची नियंत्रण के नमूने—ABC विभेदण—प्रतीक्षा वेत्रा प्रतिदर्श के नक्षण—M/M/I, M/M/C नमूने—आप नक्षी की नियमान्य—नव्य या भीषण होने वाले तत्वों के प्रतिस्पृणात्मक के नमूने।

(ii) जननांकिती और जनन-मरण आंकड़े (40 प्रतिशत प्रधानता)

जीवन-नीतिका, उसका निर्माण और लक्षण—मेक्सिम और गामपाद्सु वक्त—राष्ट्रीय जीवन तालिकाएं—राष्ट्र संघ की जीवन तालिकाओं के नमूने—संक्षिप्त जीवन तालिकाएं—स्थिर और स्थायी जनसंख्या—विभिन्न जन्म गतियां—कुल प्रजनन गतियां—कुल और निवल उत्तरादान गतियां—विभिन्न भरण गतियां—भानकीहन मरण गति—आंतरिक और अंतर राष्ट्रीय प्रब्रह्मन—निवल प्रब्रह्मन—अंतर राष्ट्रीय और जनगणनोंतर वाक्यन—वृद्धिधाती वक्त समंजन सहित प्रक्षेपण विधियां—भारत में दशाब्दीय जनगणना।

(iii) प्रयोग रूप कल्पना और विश्लेषण (40 प्रतिशत प्रधानता)

प्रयोग रूप कल्पना के नियम—पूर्ण रूप से यादृच्छिक बनाए गए, यादृच्छिक व्यंजन और दैटिन त्रैक अभिकल्पों का विव्यास और विश्लेषण—क्रमगुणित प्रयोग और 2" और 3 प्रयोगों में संबंध—व्यंजन और उपर्युक्त अभिकल्प—संतुलित और अद्वैत संतुलित असंयुर्ण वर्ग अभिकल्पों की रचना और विश्लेषण—सहजारिता का विश्लेषण—लाइब्रेकर तथ्यों का विश्लेषण—लुत्र और मिश्रित घृणे के तथ्यों का विश्लेषण—

(iv) अर्थमिति : (40 प्रतिशत प्रधानता)

उपभोक्ता मांग का सिद्धान्त और विश्लेषण—मांग फलन का विशिष्टी-करण और आकलन—मांग की सीधा—संरचना और नमूना—एकल समीकरण शैली में प्राचलों की आकलन—परंपरागत अल्पतम वर्ग, साधारणीकृत अल्पतम वर्ग—विप्रदेयता, क्रमांगत सहसंबंध—बहुल समरेखीयता—विचर प्रतिदान में त्रुटियाँ—समकालिक समीकरण प्रतिवर्धन—तदात्मता, वरीयता क्रम और क्रमण परिस्थितियाँ—परोक्ष अल्पतम वर्ग और दो स्तरीय अल्पतम वर्ग—अल्पकालिक आधिक भविष्य कथन।

#### भाग 'क'

##### सांखिक परीक्षा

उम्मीदवारों का साक्षात्कार सुधोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके मानने उम्मीदवार का सर्वांगीन जीवनवृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिए व्यक्तित्व की वृद्धि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विद्याव्ययन के विषेष विषयों में ही सूक्ष्म-वृक्ष के साथ एवं न नेत्रों हों, अपितु उन घटनाओं में भी एवं नेत्रों हों, जो उनके जारों और अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर चढ़ रही हैं तथा आधुनिक विचाराभासाओं और उन नई छोजों में जुड़ी हों, जिनके प्रति एक सुविधिक व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरू की प्रक्रिया नहीं है अपितु स्वाभाविक निदेशन और प्रयोजनयुक्त वार्तालाप की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और सम्मानों को समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मानसिक सतर्कता, मालोबनात्मक प्राप्ति, संतुलित निर्णय और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, जारीरिक ईमानदारी, वेतूल की पहल और कमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

##### परिशिष्ट II

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त व्यौहा—

- जो उम्मीदवार वोलों में से किसी भी सेवा के लिए सफल होंगे, उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड IV में परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी, और इस अवधि को छाटाया भी जा सकता है। मफल उम्मीदवारों की परिवीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2-501GI/7S

2. यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुण्ठ की संभावना न हो, तो सरकार उसे तकाल सेवा मुक्त कर सकती है।

3. परिवीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए पोष्य नहीं हैं तो सरकार उसे मेवा मुक्त कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परिवीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्षियाँ उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जाएगा।

5. भारतीय अर्थ सेवा और भारतीय सांखिकी सेवा के निर्धारित वेतनमान निम्नलिखित हैं :—

वयन ग्रेड रु 2000-125/2-2250

(नान-फैक्टरीनल)

ग्रेड-I निदेशक रु 1800-100-2000

ग्रेड-II संयुक्त निदेशक रु 1500-60-1800

ग्रेड-III उप निदेशक रु 1100-50-1600

ग्रेड-IV सहायक निदेशक रु 700-40-900-वर्ष २० रु०-४०-1100-  
[५०-1300]

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड में पदोन्नति समय-समय पर यथा-संशोधित भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांखिकी सेवा नियमों के उपबन्धों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांखिकी सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अस्तर्गत भारत में कही भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा इनको किसी राज्य सरकार या गैर-सरकारी संगठन में नियुक्त अधिवि के लिए प्रति-नियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों की सेवा की शर्तें तथा कृद्वीत व्यवस्था इत्यादि अन्य केन्द्रीय नियम समय समय पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगी।

8. अविष्य निधि की शर्तें यही हैं जो सामान्य अविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधनों की शर्तें के साथ जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

##### परिशिष्ट-III

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विविध

ये विविध उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विविध स्वास्थ्य परीक्षाओं (मैडिकल एज्मानिस्ट) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं।

2. भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की स्पॉट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ छहाए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद वक्तापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो इंडियन नहित) जाति के उम्मीदवारों की आमू कंद और छाती के धोर के परस्पर संबंध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर वह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में

भार्यदर्शन के स्वयं में जो भी परस्पर संबंध के आकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषयमान हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का प्रभाव-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वरूप अथवा अस्वरूप घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा:—वह अपने जूते उतार देगा और उस माप वण्ड (स्टेणड) से इस प्रकार मटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांच आपस में जूँड़े रहें और उसका वजन सिवाय पंडियों के पांचों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। बढ़ बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी पंडिया, पिलियां, नितम्य और कंधे माप-वण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी भी चीज़ रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेस आफ दी हैड लेवल) हारिजेट बार (आझी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है:—उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांच जूँड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किमारा अस्कलक (शेल्डर, ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर-एंग्लस) से लगा रहे और फीते को छाती के गिर्व ले जाने पर उसी आँख समतल (हारिजेटिम लेवल) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें गरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक सं अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93 आदि। नाप को रिकार्ड करने समय आधे सेंटीमीटर से कम के भिन्न (फ्रेशन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट:—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फ्रेशन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चर्चे के बिना नजर (नेकेड आर्ड विजन) को कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हृत्तत के बारे में मूल सूचना (अंतिम इन्फरमेण्ट) मिल जाएगी।

(ग) चर्चे के साथ और चर्चे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा।

दूर की नजर	नजदीक की नजर
अच्छी आंख	खराब आंख
(ठीक की हुई दृष्टि)	अच्छी आंख खराब आंख (ठीक की हुई दृष्टि)
6/9	6/9
या	
6/9	6/12
	जे० I
	जे० II

दृष्टि संबंधी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो।

(घ) मायोपिया फंडस के प्रत्येक सामने में परीक्षा की जानी चाहिए, और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार को ऐसी रोगात्मक दशा हो जो कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कायंकुण्ठता पर प्रभाव आत्म सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ज) दृष्टि क्षेत्र: सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कंक्रेटेशन मैट्र) द्वारा दृष्टि क्षेत्र को जानें चाहिए। जब ऐसी जांच का नतीजा असन्तोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को पैरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रत्नीधी (नाइट ब्लाइन्डनेट्स): गाधारणतया रत्नीधी दो प्रकार की होती है, (1) विटामिन 'ए' की कमी होने के कारण और (2) रेटीना के शारीरिक रोग के कारण जिसकी आम वजह रेटीनोटिम पिगमेटोस होती है। उपयुक्त (1) में फंडस की स्थिति प्रसामान्य होती है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में विकार होती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाती है। ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा में ही स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी प्रीकृत होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में उन्हीं नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्तिन् इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अध्येरा अनुकूलन परीक्षण से स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए, विशेषतया जब फंडस न हो तो इलेक्ट्रो-रेटीनो ग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है। इन दोनों जांचों (अध्येरा अनुकूलन और रेटीनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबंध और सामान की आवश्यकता होती है। और इसलिये साधारण चिकित्सक जांच से इसका पता लगाना संभव नहीं है। इन तकनीकी आतों को व्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रत्नीधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएँ क्या हैं और उनकी ड्यूटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न अंदर की अवस्थाएँ (आकूलर कंडीशन)।

(i) आंख की उस बीमारी को या बहसी हुई अपवर्तन त्रुटि (प्रोट्रोसिव रिक्रिट एरर) का, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि भी तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्य का कारण समझा जाना चाहिए।

(ii) भेंगापन (स्किंबंट) तकनीकी सेवाओं में, जहाँ द्विनेत्री (बाइनो-क्लुर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भेंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भेंगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(iii) एक आंख:— यदि किसी व्यक्ति की एक ही आंख हो अयत्र यदि उसकी एक आंख की दृष्टि ही सामान्य हो और दूसरी आंख की मत्त दृष्टि हो अपवाह अप सामान्य दृष्टि हो, तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहराई झोड़ हेतु लियम बूष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई तिकिल पदों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुरूपित कर सकता है। बर्टरों की सामान्य आंख:—

(i) की दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जे० I चर्चा शामाकर अथवा उसके बिना हो बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेरिडियन में जुटि 4 डायो-टेरिज से अधिक न हो,

(ii) की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो,

(iii) की सामान्य रंग दृष्टि, जहाँ अपेक्षित हो।

बशर्ते कि बोर्ड का यह गमधारन हो जाए कि उम्मीदवार प्रश्नाधीन कार्य विशेष से संबंधित सभी कायकिलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टेक्ट लेंगे—उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कान्टेक्ट लेंगे के प्रयोग की आशा नहीं होगी: यह आवश्यक है कि आंख की जांच करते समय बूर की नजर के लिए टाइप किए हुए अक्षरों का उद्भासन 15 फूट की ऊँचाई के प्रकाश से हो।

#### 7. ब्लड प्रेशर:

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नामेल उच्चतम मिस्ट्रिलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है:—

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 आयू होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर आयू वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन करने में 110 में आधी आयू जोड़ देने का तरीका विश्वलं संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें:— सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर के मिस्ट्रिलिक प्रेशर को और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्ट्रिलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल की रिपोर्ट में यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एफ्साइट्मेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर में घृणा थोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कार्यिक (आर्टिनिक) झीमारी है। ऐसे सभी केंद्रों में हृदय की एक्सरे और विद्युत वृद्ध्यलेखी (इलेक्ट्रोकारियोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त पूरिया निकास (विलयरेंस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

#### ब्लड प्रेशर (रक्त वाव) लेने का तरीका

नियमित पारेवाले दावांतरमारी (मर्करी मेनोमीटर) किसम का उपकरण (इस्ट्रूमेंट) इस्ट्रेमेल करना चाहिए। किसी किसम के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दान नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बगतें कि वह और विशेषकर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ हारिंजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से महारा दिया जाए भुजा परसे कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल बार बीच की रबड़ को भुजा के अन्वर की ओर रख कर और इसके नीचे किराने को कोहरी के मोड़ से एक या दो हंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाव एक कपड़े की पट्टी को फैला कर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरते पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहरी के मोड़ पर प्रगड़ धमनी (ब्रिक्सिल आर्टरी) को दबा दबा कर ढूँढ़ा जाता है और तब इसके ऊपर धीरों धीर स्टैथस्कोप को हूँके से लगाया जाता है जो कप के साथ न लगे। कप में लगभग 200 एम० एम० एम० जो हवा भी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरेधीरे हवा निकाली जाती है। हूँकी क्रमिक धर्ति नियम सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह मिस्ट्रिलिक प्रेशर वर्णन है। जब और हवा निकाली जाएगी तो व्यनियों तेज सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली व्यनियों हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जायें, वह डायस्ट्रिलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी धोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के सम्बन्ध में काम रोगी के लिए क्षोभकर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पक्षताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर,

कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाये। (कभी कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर अवनियों सुनाई पड़ती है, जब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्नस्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं।) इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किये गये मूल की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मैडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच हारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मध्यमेह (आमविटीज) के शोतक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लूकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मैडिकल फिनेस के स्टैडर्ड के अनुरूप पाये तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधु मेही (नान आयटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसिन के किसी ऐसे नियमित विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोग शाला की सुविधायें हों, मैडिकल विशेषज्ञ स्टेंडर्ड ब्लड शुगर टालरेस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिक या लेबोरेटरी परीक्षा जूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मैडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मैडिकल बोर्ड की “फिट” या “अनफिट” की अस्तिम राय आधारित होती। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। ओषधि के प्रभाव का समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई बिन तक अस्पताल में पूरी देख रेख में रखा जाय।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हृपते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाये। किसी रजिस्टर्ड मैडिकल प्रैक्टिशनर से आरोग्यता का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रमूली की तारीख से 6 हृपते बाद आरोग्य प्रमाण पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

#### 10. निम्नलिखित अतिरिक्त आतों का प्रेक्षण करना चाहिए।

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की झीमारी का कोई चिह्न है या नहीं।

यदि कान की कोई खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शाल्य त्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एज के इस्ट्रेमेल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बावतें कि कान की झीमारी बने बाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन ने लिये इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है:—

1. एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरा ,पन, दूसरा कान सामान्य होगा।

यदि उच्च फीवरेंसी में बहरापन 30 डेसीबेल तक हो सो गैर-तकनीकी काम के लिये योग्य।

2. दोनों कानों में बहरेपन का प्रत्यक्ष ग्रोध, जिसमें अवण यंत्र (हियरिंग एज) सारा कुछ सुधार संभव हो।

यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फीवरेंसी में बहरापन 30 डेसीबेल तक होतो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिये योग्य।

3. सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिम्पेनिक मैम्बरेन में छिप्र।

(i) एक कान सामान्य हो दूसरा कान में टिम्पेनिक मैम्बरेन में छिप्र हो सो अस्थाई आधार पर अयोग्य। कान की शाल्य-चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिप्र घासे उम्मीदवारों को अस्थाई

- (क) स्पष्ट से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गये नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।
- (ii) दोनों कानों में मार्जिनल मा एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।
- (iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थाई रूप में अयोग्य।
4. कान के एक ओर से/दोनों ओर (i) किसी एक कान के सामान्य से मस्टायड केबिटी से सब रूप से एक और से मस्टायड केबिटी से सुनाई देता हो, तूसरे कान में सबनार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये योग्य।
- (ii) दोनों ओर से मस्टायड केबिटी तकनीकी काम के लिये अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यत्न लगाकर अथवा विना लगाये सुधर कर 30 डेसीबेल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिये योग्य।
5. अहोने रहने वाला कान आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला
6. नामापट की हड्डी सम्बन्धी/विस्पि- (1) प्रथेक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा ताओं (ओनोडिकमिटी) महिल अथवा उमसे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एसजिक वशा। (ii) यदि लक्षणों सहित नामापट अफसरण विद्यमान हो तो अस्थाई रूप में अयोग्य।
7. टांगिलन और/या स्वर यंत्र (लैरि- (i) टांसिल और/या स्वर यंत्र की जीर्ण प्रदाहक वशा योग्य। (क्स) की जीर्ण प्रदाहक वशा। (ii) यदि आवाज में अत्यधिक कक्षणता विद्यमान हो तो अस्थाई रूप से अयोग्य।
8. कान, नाक, गले ( $1\text{ लैंगन } 0\text{ टी. } 0$ ) (i) हाल्का दृश्यमान अस्थाई रूप से हृके अथवा अपने स्थान पर अयोग्य। तुर्भु दृश्यमान। (ii) तुर्भु दृश्यमान अयोग्य।
9. आस्टोकिलरोमिसिस श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबेल के अन्दर होने पर योग्य।
10. कान, नाक, अथवा गले के जन्म (i) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य। (ii) भारी माला में हकलाहट हो तो अयोग्य।
11. नेजल पोली अस्थाई रूप में अयोग्य। (ख) उम्मीदवार बोलते में हकलाता/हकलाती नहीं हो। (ग) उसके बात अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जल्दी होने पर नकली बात लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दातों को ठीक समझा जायेगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैली या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक है या नहीं। (इ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं। (झ) उसे हाइड्रोसील, बड़ी कुर्झ ऐरिकोसिल, बेरिकाजशिरा (बेन) या ब्रासीर है या नहीं। (ज) उसे अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं, और उसकी ग्रथियां भली भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं। (झ) उसे कोई चिरत्याई त्वचा की बीमारी है या नहीं। (झ) कोई जमजात कुरचना या दोष है या नहीं। (ट) उसमें किसी उप्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे। (ठ) कार्गर टीके के निशान हैं या नहीं। (ঢ) उसे कोई संचारी (कम्प्यूनिकेशन) रोग है या नहीं।
11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिये जो माधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नेहीं रूप से छाती की एक्सरे परीक्षा की जानी चाहिये।
- सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार के स्वास्थ्य के मामान्दी में जहाँ कहीं सन्वेद हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार को योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किये जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, जैसे यदि किसी उम्मीदवार पर मासिक लुटि अथवा विषयन (ऐपरेशन) से पीड़ित होने का सन्वेद होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल से किसी मनोविकार विज्ञानी मनो-विज्ञानी<sup>1</sup> से परामर्श कर सकता है।
- जब कोई रोग मिले हो तो उसे प्रमाण पत्र में अवश्य ही नोट किया जाये। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय खिलौ देनी चाहिये कि उम्मीदवार से अवेक्षण वक्षतापूर्ण इटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।
12. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापर मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किया जायेगे। शेष दूसरों के मामलों में यह जब्त कर लिया जायेगा। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपनी आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गये निर्णय के 21 दिन के अंदर अपीले पेश करनी चाहिये अथवा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिये अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नहीं दिल्ली में ही होगी और इसका अर्थ उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के सम्बन्ध में की जाने वाली यात्राओं के लिये कोई यात्रा भला या दैनिक भला नहीं दिया जायेगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबन्ध के लिये मंत्रिमण्डल (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुषार विभाग) द्वारा आवश्यक कारबाई की जायेगी।
- मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट
- मेडिकल परीक्षक के मार्गवर्णन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है:—
- शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाये जाने वाले स्टेप्स्पॉर्ट में सम्बन्धित उम्मीदवार की आशु और सेवा काल (यदि हो) के लिये उचित गुजाइश रखनी चाहिये।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जायेगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइटिंग अधारिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाहिली इम-फॉर्मटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिये कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व वेशन या अदायगियों को रोकना है। साथ यह भी नोट कर लिया जाये कि जहाँ प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्थीकृत करने की सालाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिये जब कि उसमें कोई दोष हो जो केवल घृत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतया तीन सदस्य होंगे (i) एक कार्य चिकित्सक (ii) एक शल्य चिकित्सक और (iii) एक नेत्र चिकित्सक। ये सभी यथा संभव साध्य समान स्तर के होने चाहिये। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जायेगा।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय संस्थिकी सेवा के उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर थेल सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिये कि उम्मीदवार थेल सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिये।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्थीकार किये जाने के आधार उम्मीदवार को बताये जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खारबी बताई हो उसका विस्तृत व्यौता नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खारबी चिकित्सा (ओषध या शल्य) द्वारा हो मरकी है वहाँ डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का अन्यत रिकार्ड किया जाना चाहिये। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सुनित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खारबी द्वारा हो जाये तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिये कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम महीने से कम नहीं होनी चाहिये। नियुक्ति अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिये अस्थाई तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये उसकी योग्यता के सम्बन्ध में अधबा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिये।

#### उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को नियन्त्रिति अवधि के स्टेटमेंट देना चाहिये और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिस्लेटेशन) पर स्वतंत्र करने चाहिये। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित खेतावी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिये।

1. अपना पूरा नाम लिखें—

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें—

2. (क) क्या आप अनुसूचित जाति या गोरखा, गढ़वाली, असमिया नागालैंड जन जाति आवि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिये। उत्तर 'हाँ' में हों तो उस जाति का नाम बताइये।

3. (छ) क्या आपको कभी चेक, शक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, घृणिया (ग्लैंडस) का बढ़ना या इनमे पीप पड़ना, थूक में लूप आमा, दमा, दिल की बीमारी, फैफ़े की बीमारी, भूर्धा के बोरे, मेडिजम, एवेंडिसाइटिस द्वारा है?

#### अधबा

(छ) दूसरी कोई बीमारी या दूर्घटना, जिसके कारण कैम्ब्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. आपको चेक का टीका आखिरी बार कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या दूसरे किसी कारण से किसी किस्म की अधीक्षा (नर्सरेस) हुई?

6. अपने परिवार के सम्बन्ध में नियन्त्रिति घौरे दें:—

यदि पिता जीवित मृत्यु के समय पिता आपके कितने आपके कितने आईयों हो तो उनकी आयु 10 आयु और मृत्यु आई जीवित हैं की मृत्यु हो जुकी और स्वास्थ्य की का कारण उनकी आयु है, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

प्रबन्ध स्वास्थ्य की अवस्था कारण

यदि माता जीवित मृत्यु के समय माता आपकी कितने आपकी कितनी हो तो उनकी आयु की आयु और मृत्यु बहनों जीवित हैं बहनों की मृत्यु हो और स्वास्थ्य की का कारण उनकी आयु और जुकी है। मृत्यु के अवस्था स्वास्थ्य की अवस्था समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हाँ' में हो तो बताइये किस सेवा/सेवाओं के लिये आपकी परीक्षा की गई थी?

9. परीक्षा लेने] वाला प्राधिकारी कौन था?

10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अधबा आपको मालूम हो—

मैं प्रेषित करता हूं कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर दिये गये सभी जवाब सही और ठीक है।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किये—

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर—

नोट:—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो देने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाये तो बार्फ़क्ष नियूक्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउंस) या उपदान (सेम्युटी—के सभी वाक्यों से हाथ धो देंगे।

—(उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामाजिक विकास	अध्या	जीव का
कम	कम	पोषण पतला
औसत	मोटा	
कद जूते उत्तरकर	वजन	
अत्युच्च में वजन	क्या था?	वजन में
कोई हाल ही में हवा परिवर्तन		
तापमान		
छाती की बेर		
(1) पूरा सांस खींचने पर		
(2) पूरा सांस निकालने पर		
(3)		
2. स्वचा	कोई जाहिरी भीमारी	
3. नेत्र		
(1) कोई भीमारी		
(2) रत्नोंधी		
(3) कलर विजन का दोष		
(4) दृष्टि नेत्र (फील्ड आफ विजन)		
(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विज़ुअल एक्वीटी)		
(6) फँडस की जांच		
दृष्टि की सीधणता जग्में के बिना	बग्में से	बग्में की पावर गोल
		सिलि एक्सिस
दूर की नज़र	वा० ने०	
	वा० ने०	
पास की नज़र	वा० ने०	
	वा० ने०	
हाइपरमैट्रापिया (अधक्त)	वा० ने०	
	वा० ने०	
4. कान निरोक्षण	सुनना	
	शायाँ कान	शायाँ
कान		
5. प्रथियां	धाइराहड़	
6. शार्तों की हालत		
7. एक्सेन तन्त्र (रेगपरेटरी मिस्टम) :-	यह शारीरिक परीक्षा करने पर सांख के धैंगों में से किसी असमानता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्यौरा है।	
8. परिसंचरण तन्त्र (सेक्युलटरी मिस्टम)		
(क) त्रूट्यः कोई आणिक गति (आर्गेनिक सीज़न)		
गति (रेट) :-		
(खड़े होने पर)		
25 बार कुदाये जाने पर के बाद		
कुदाये जाने के 2 मिनट बाद		
(ख) ल्लड प्रेशर	सिस्टालिक	
	डायस्टालिक	
9. उत्तर (पेट) घेर		स्पर्श
महायता हार्निया		
(क) द्वाकार भासूम पड़ना/जिगर		
तिल्ली	गुद	
द्युमर		
(ख) रक्तांत्र		
भग्नांत्र		

10. तांत्रिक तन्त्र (नर्व निस्टम) तांत्रिक या भानमिक अशक्तता का संकेत

11. चाल तन्त्र (लोकोमोटर मिस्टम) की असमानता

12. जनन मूल तन्त्र (जैनिटी यूरिनरी सिस्टम) हाइड्रोसील, वैरिकोसिल आदि का कोई संकेत।

मूल परीक्षा:-

(क) कैसा विकाई पड़ता है?

(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेमिकल गेविटी)

(ग) एलड्यूमैन

(घ) शक्कर

(ज) कास्ट

(घ) कोणिकावें (सैल्स)

13. छाती की एक्सरे परीक्षा की त्रिपोट्ट।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की इकूटी को वक्षता पूर्वक निभाने के लिये अधोग्य हो सकता है।

नोट—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवधिति अवधा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थाई रूप से अधोग्य घोषित किया जाना चाहिये, देखें विनियम 9।

15. (i) क्या वह भारतीय ग्राम सेवा/भारतीय साइकिल सेवा में वक्षतापूर्वक और निरन्तर कार्य करने के लिये सब तरह से योग्य पाया गया है।

(ii) क्या उम्मीदवार थेव सेवा (फील्ड सर्विस) के लिये योग्य है?

मोट—बोडे को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन बग्में में से किसी एक बग्मे में रिकॉर्ड करना चाहिये।

(i) योग्य (फिट)

(ii) अधोग्य (प्रतफिट) जिसका कारण—

(iii) अस्थाई रूप से अधोग्य, जिसका कारण—

स्थान—अध्यक्ष—

तारीख—सदस्य—

संक्षय—

#### परिप्रेक्ष-IV

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

क—वस्तुप्रक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको 'वस्तुप्रक परीक्षण' कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांग कहा जायेगा) के लिये कहीं संभाव्य उत्तर दिये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिये एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जायेगा) आपको चुन लेता है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इन परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

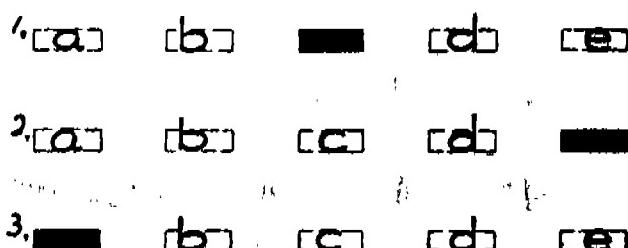
ख—परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र 'परीक्षण पुस्तिका' के रूप में होगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3—के बाद से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे ए, बी और ई—के बाद में संबंधित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिये एक सही या यथि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही है तो उनमें से मर्वेन्सम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अन्त में दिये गये नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिये आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जायेगा।

ग—उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिये आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जायेगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर प्रत्येक किमी कागज पर लिखे गये उत्तर जांचे नहीं जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांश की संख्याएँ से 200 तक बाट खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए, बी सी, डी, ई—के बाद से प्रत्युत्तर लिखे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अंतर्कार को दर्शाने वाले आयत को पेसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संस्कृत उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिये स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिये।



आपके उत्तर पत्रक में दिये गये उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मर्शीन से किया जायेगा। जो गलत उत्तर, एच० बी० पेसिल के अनिरिक्त दूसरी पेसिल के प्रयोग और विकेता उत्तर पत्रक को पहचानने में बड़ी सुरक्षा होती है। इस लिये यह जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिये केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेसिल (पैसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें। दुसरी पेसिलों या पेन के द्वारा बनाये गये निशान, संभव है, मर्शीन से ठीक ठीक न पढ़े जायें।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा भिटाकर किर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिये आप अपने माथे एक रख़ भी लायें।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय को ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खारब हो जाये या उसमें सोड़ व मलबट आदि पड़ जाये और वह टेका हो जाये।

घ—कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आगम्भ करने के लिये निर्धारित समय से भी समिट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचने ही अपना स्थान महण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा भवन के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षक को दीए वे, आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ने जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जायेगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियम स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्थाही से साफ साक लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिये गये सभी अनुवेश आपको साक्षात्ता से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मर्शीन के द्वारा होता है, इसलिये संभव है कि इन अनदेशों का साक्षात्ता से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जाए। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रतिलिपि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। परीक्षक के दिये गये अनदेशों का पालन करें। जब परीक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आगम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लायें। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेसिल, एक रख़, एक पेसिल शार्पेसर और नीली या काली स्थाही वाली कलम भी नानी होंगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, ऐमाना या पारचंद्र उपकरण नहीं लाने हैं, क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिये आपको एक शुल्क कागज दिया जायेगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उम पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ परीक्षक को पास कर दें।

इ—विशेष अनुवेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर प्रेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको निरीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हाशिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाये। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाये, तुरत आप देख लें कि उस पर पुस्तिका को मंड्या लिखी हुई है, और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाये तब आपको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध आने में अपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक परीक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

च—कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की प्रेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, वकाता से उपयोग करें। सन्तुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, रख़, पर लापरश्वाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दें पाते हों तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यल्प कठिन भालूम पड़े, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

मभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के माध्यांतर पर ही आपको अंक दिये जायेंगे।

गलत उत्तरों के लिये अंक नहीं काटे जायेंगे।

प्रश्न इस तरह बनाये जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की प्रेक्षा, जानकारी, सूक्ष्म वृक्ष और विश्लेषण-क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिये यह सामयिक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बार से आशक्त हो जायें कि आप अपने विषय को मज्जी तरह समझते हैं।

## छ—परीक्षण का समाप्ति

जैसे ही परीक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाये तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक में ले जायें भी और आपको 'हाल' छोड़ने की अनुमति न हो। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

## नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिये निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरवायी नहीं है?

- प्रशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजूर थे।
- प्रशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- उत्तरी सीमा पर प्रशासनाती सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- प्रशोकोत्तर युग में धार्यक रिक्तता थी।

उत्तर (d)

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- विद्यायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरवायी है।
- विद्यायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरवायी है।
- कार्यपालिका विद्यायिका के प्रति उत्तरवायी है।
- न्यायपालिका विद्यायिका के प्रति उत्तरवायी है।
- कार्यपालिका न्याय पालिका के प्रति उत्तरवायी है।

उत्तर (c)

3. पाठशाला के छात्र के लिये पाल्योत्तर कार्य कलाप का मध्य प्रयोगन

- विकास की सुविधा प्रदान करता है।
- अनुशासन की समस्याओं को रोकता है।
- नियत कक्षा-कार्य से राहत देता है।
- शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देता है।

उत्तर (a)

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है;

- मुक
- मंगल
- बृहस्पति
- कुप

उत्तर (d)

5. बन भौं बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है?

- पेड़ पौधे जिसने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उत्तना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- पेड़ पौधे जिसने कम होते हैं, नदियाँ उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- पेड़ पौधे जिसने अधिक होते हैं, नदियाँ उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- पेड़ पौधे जिसने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (c)

पेट्रोलियम, रसायन भौं और उर्वरक मन्त्रालय

(रसायन भौं और उर्वरक विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं० 151(6)/79-उर्वरक समन्वय—पेट्रोलियम, रसायन भौं और उर्वरक मन्त्रालय, रसायन भौं और उर्वरक विभाग के 10 प्रतील 1978 के संकल्प संस्कृता

एन 16013(4)/78-रसायन-11/झेस्क के अनुमति में, जिसके अनुसूची रसायनों और उर्वरकों पर एक भवावकार मनिति का गठन किया गया है, निम्नलिखित गैर-सरकारी व्यक्तियों को उक्त मनिति का सदस्य मनोनीत किया गया है:—

## (1) संसद मदस्य

- श्री एम० शार० कृष्ण  
संसद मदस्य (राज्य सभा)  
4 कुशक रोड, नई दिल्ली।

- श्रीमती ग्रजीता इमाम  
संसद मदस्य (राज्य सभा)  
39 साउथ ऐवेन्यू, नई दिल्ली।

- श्री बलवन्त मिहू रामूवालिया  
संसद मदस्य (लोक सभा)  
10 मीना बाग, नई दिल्ली।

- श्री ए० बाला पजानौर,  
संसद मदस्य (लोक सभा)  
42 केनिंग लेन, नई दिल्ली।

- श्री बालक राम,  
संसद मदस्य (लोक सभा)  
89 साउथ ऐवेन्यू, नई दिल्ली।

## (2) उद्योग के प्रतिनिधि

- श्री एम० ए० चिदम्बरम

अध्यक्ष  
सदरने पैट्रो कैमिकल्स इंडस्ट्रीज कारपोरेशन लि०,  
मद्रास।

- श्री एस० क० प्रभवाल  
प्रबन्ध निवेशक  
कुमार ब्रॉन्ज पावडर लि०,  
ताडीखेत।

- मेजर कपिल भोजन

अध्यक्ष  
मोहन भीकिन ब्रेवरीज लि०  
46 पूसा रोड,  
नई दिल्ली।

## (3) शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधि

- प्रोफेसर एम० एम० शर्मा  
रसायन इन्जीनियरिंग के प्रोफेसर  
रसायन प्रौद्योगिकी विभाग  
बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई।

- आ० ए० एस० जीमा

कुपराति  
पंजाब कृषि विश्वविद्यालय  
लुधियाना।

## (4) गैर-सरकारी व्यक्ति

- श्री रोबिन मित्र।

हैंडर रोड, लखनऊ।

- श्री सुवर्णन मायर

महा सचिव  
त्रिवेन्द्रम, केरल।

- श्री जी० एम० निहालसिंहपाला

भूतपूर्व संसदीय सचिव, पंजाब,  
सेंटर 11-बी, मकान नं० 708

चंडीगढ़।

क० पी० श्रीवास्तव, उप-सचिव

कृषि और सिंचाई मन्त्रालय

(कृषि विभाग)

नई विल्सनी, विनाक 20 जनवरी 1979

मंकला

मं० 1०-८०/७७ प्रकार ३० धारा ३० (प्रक० ३०) — भारत सरकार ने अपने संकल्प मंस्त्रा ४५-१/७३ मी० ८० १, दिनांक ६ नवम्बर, १९७३ द्वारा गठित भारतीय लाख विकास परिषद को तत्काल से पुनर्गठित करने का निर्णय किया है। पुनर्गठित परिषद निम्न प्रकार होगी :—

१. प्रधानश—एक गैर सरकारी व्यक्ति जिसे भारत सरकार नामजद करेगी।
२. उपाध्यक्ष—वन महानिरीक्षक भारत सरकार, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय (कृषि विभाग)

### ३. सदस्य

(क) राज्य निम्नलिखित राज्य सरकारों का एक एक प्रतिनिधि, सरकारों के जिसे सम्बन्धित राज्य सरकारें नामजद करेंगी :—

- (१) बिहार
  - (२) मध्य प्रदेश
  - (३) झज्जराष्ट्र
  - (४) उड़ीसा
  - (५) पश्चिम बंगाल
- (ख) केन्द्रीय (१) योजना आयोग का एक प्रतिनिधि
- सरकार के (२) वाणिज्य मन्त्रालय का एक प्रतिनिधि
- प्रतिनिधि (३) भारत सरकार के कृषि आयुक्त प्रथमा उनका नामित व्यक्ति
- (४) महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद अपथा उनका नामित व्यक्ति
- (५) वन प्रबोग में लाख से सम्बद्ध वन उपमहानिरीक्षक
- (६) निदेशक, भारतीय लाख अनुसन्धान संस्थान, राज्या।

(ग) उत्पादकों लाख पैदा करने वाले निम्नलिखित राज्यों से, सम्बन्धित राज्य सरकारों द्वारा नामजद किए जाने वाले उत्पादकों के एक एक प्रतिनिधि :—

- (१) बिहार
- (२) मध्य प्रदेश
- (३) उड़ीसा
- (४) उत्तर प्रदेश
- (५) पश्चिम बंगाल

(घ) व्यापारियों के प्रतिनिधि (१) विभिन्न मान्यताप्राप्त वाणिज्य मण्डलों तथा अप्य व्यापार निकायों द्वारा विफारिश किए गए उम्मीदवारों में से वाणिज्य मन्त्रालय द्वारा परिषद में नामजद किए जाने वाले व्यापारियों के तीन प्रतिनिधि।

(२) प्रधान, चमड़ा नियंति सम्बंधित परिषद।

(इ) उद्योग के लाख परिसंस्करण उद्योग के तीन प्रतिनिधि।

(ज) धर्म :— (१) तीन संसद सदस्य जो संसदीय कार्य विभाग द्वारा नामजद किए जायेंगे।

(२) निम्नलिखित श्रेणी में काम करने वाले भज्जुरों के एक एक प्रतिनिधि :—

(क) कार्यालयों में काम करने वाले

(ख) कारखानों में काम करने वाले

(छ) भारत सरकार द्वारा देसे अतिरिक्त व्यक्तियों को जिनके हितों को प्रतिनिधित्व देने के लिए समय समय पर नामजद किया जाएगा जिन्हें पहले परिषद में प्रतिनिधित्व न मिला हो।

४. सदस्य सचिव: निदेशक, लाख विकास निदेशालय, राज्यी।

५. प्रेसक (जो "परिषद के सदस्य नहीं होंगे, किन्तु जिन्हें परिषद के विचार विभाग में सहायता के लिए निरन्तर रूप से घासन्ति किया जाएगा।

१. प्रधान, राज्य व्यापार नियंति सम्बन्धा उनका प्रतिनिधि।

२. कृषि विषयन सलाहकार, भारत सरकार, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय।

३. वित्तीय सलाहकार, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय।

४. अर्थ तथा सांचियकी सलाहकार, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय (कृषि विभाग) अपथा उनका प्रतिनिधि।

५. राष्ट्रीय सहकारी विकास नियम, नई दिल्ली।

६. संयुक्त आयुक्त (सी० सी०), कृषि और सिंचाई मन्त्रालय, कृषि विभाग, नई दिल्ली।

७. बिहार राज्य लाख सहकारी विषयन संघ लि०, रोपी।

### कार्य

२. परिषद एक सलाहकार निकाय होगी और उसके निम्नलिखित कार्य होंगे :—

(१) केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों द्वारा लाख के सम्बन्ध में बनाए गए विकास कार्यक्रमों पर विचार करना, समय समय पर उनकी प्रगति की समीक्षा करना और प्रगति को सेज करने के उपायों की सिफारिश करना :

(२) लाख विषयन, परिसंस्करण, भज्जारण, परिवहन तथा इसके व्यापार और मूल्य से सम्बन्धित समस्याओं की जांच-पड़माल करना और इस सम्बन्ध में सरकार को परामर्श देना :

(३) कार्यक्रम तैयार करने तथा मण्डी में बढ़िया किस्म की जिसकी आवश्यकता के बारे में अनुसन्धान एजेंसियों को सलाह देकर लाख के सम्बन्ध में अनुसन्धान तथा विकास कार्यक्रमों के बीच उपयुक्त समय स्थापित करना :

(४) लाख के लिए सियांच मण्डी की आवश्यकताओं पर विचार करना और उसके अनुसार विकास कार्यक्रमों को उपयुक्त ढंग से सम्पोषित करना; तथा

(५) लाख विकास के सम्बन्ध में गहायता करने के लिए देसे अन्य कार्य करना जो इसे समय समय पर सौंपे जायें।

3. भारतीय लाख विकास परिषद को विशिष्ट भूमि पर विचार करने के लिए स्थायी समिति, तकनीकी समिति तथा तर्थं समिति गठित करने और विशेष प्रयोजन के लिए आवश्यकतानुसार कुछ विश्वविद्यालयों तथा अन्य विशेष हितों के प्रतिनिधियों को सदस्य सहयोगित करने का अधिकार होगा।

4. लाख उगाने वाले क्षेत्रों में आपार तथा उच्चोग के महत्वपूर्ण केन्द्रों में परिषद की समय समय पर बैठकें होंगी और वह भारत सरकार को अपनी सिकारिशें पेश करेंगी।

5. परिषद तब तक कार्य करती रहेगी जब तक वह सरकार के एक संकल्प द्वारा भंग न कर दी जाए। अध्यक्ष तथा परिषद के अन्य गैर सरकारी सदस्यों का कार्यकाल, परिषद में उनके नामजद किए जाने की तारीख से तीन वर्ष के लिए होगा, जब तक कि वह अवधि भारत सरकार के एक विशेष आदेश द्वारा घटा या बढ़ा न दी जाए। तथापि, किसी गैर सरकारी सदस्य की पुनः नियुक्ति के बारे में विचार किया जा सकता है।

6. परिषद में नामजद किए जाने वाले संसद सदस्यों की संसद सदस्यता समाप्त होते ही उनकी परिषद की भी सदस्यता समाप्त हो जाएगी।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों, भारत सरकार के मन्त्रालयों, योजना आयोग, मन्त्रिभूषण सचिवालय, प्रधान मंत्री के कार्यालय, सोक सभा सचिवालय तथा राज्य सभा सचिवालय को भेज दी जाए।

2. वह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को मामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

विनांक 7 फरवरी 1979

#### संकल्प

मं. 1-1/79-एफ० भार० बाई० (एफ० बी०)---स्वेच में आयोजित योरोपीय कुछ महासंघ की टैरेस्ट्री सामान्य बैठक में विश्व वानिकी विधान की संस्थापना का अनुमोदन कर दिया गया था, जिसके लिये समस्त संबंधित अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों से महयोग का अनुरोध किया गया था। इसका उद्देश्य समग्र विषय में उस महत्वपूर्ण भूमिका का प्रबार करना था जो कि वन मानवता के लिए प्रत्यक्ष अथवा प्रप्रत्यक्ष रूप से भूमिका निभाने हैं। तदनुसार प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस मनाने की सिफारिश की गई थी और इस उद्देश्य के लिए वानिकी विवर आयोग की स्थापना करने की भी सिकारिश की गई थी।

2. इस तथ्य को दृष्टि में रखते हुए कि इस ज्ञान का पर्याप्त अभाव है कि वन सभ्यता का मानव के लिए क्या महत्व है और यह मानते हुए कि वानिकी विषयक उपलब्ध जानकारी का प्रसार उपयोगी होगा और यह कि विभिन्न वानिकी समस्याओं के बारे में जनना का ध्यान आकर्षित करने से उन में वानिकी के प्रति प्रेरणा और रुचि उत्पन्न होगी। केंद्रीय वानिकी बोर्ड की स्थायी समिति ने तब्दील, 1973 में हुई अपनी बैठक में देश में एक उपयुक्त राष्ट्रीय वानिकी विवर आयोग की स्थापना करने के प्रस्ताव को स्वीकार करने की सिकारिश की थी।

3. भारत सरकार ने सिकारिश को स्वीकार कर दिया है और राष्ट्रीय विवर वानिकी विवर समिति का गठन करने का निर्णय किया है। समिति की संरचना निम्न प्रकार से होगी :—

1. वन महानिरीक्षक . . . . . मध्यक्ष
2. संयुक्त सचिव (एफ० एण्ड इन्ड्य० एस०) . . . . . सदस्य
3. आपर वन महानिरीक्षक . . . . . सदस्य
4. अध्यक्ष, वन अनुमन्थान संस्थान तथा महाविद्यालय, [ ] सदस्य। वैहाराष्ट्र
5. पर्यटन महानिरीक्षक . . . . . सदस्य
6. महानिरीक्षक, आकाशवाणी, नई दिल्ली . . . . . सदस्य

7. बम्बई प्राकृतिक हिम्मी सोमाइटी के प्रतिनिधि हामिं बिल हाऊस, महीद भगत सिंह रोड, बम्बई सदस्य
  8. विलियम टीज बलब के प्रतिनिधि बंगलौर . . . . . सदस्य
  9. भारतीय यूथ होम्स्टेल एसोसिएशन के प्रतिनिधि, स्थाय मार्ग बाणक्षयपुरी, नई दिल्ली . . . . . सदस्य
  10. फेन्स आफ ट्रीज के प्रतिनिधि, बम्बई . . . . . सदस्य
  11. सत्य के प्रतिनिधि [ ] जी/1-151, सत्य मार्ग, बाणक्षयपुरी, नई दिल्ली . . . . . सदस्य
  12. पर्यावरण योजना एवं समन्वय मन्त्रालय के प्रतिनिधि, प्रोफेशनल भवन, शू महरोली रोड, नई दिल्ली . . . . . सदस्य
  13. शिक्षा और सामाजिक सम्बन्ध विभाग के प्रतिनिधि शास्त्री भवन, नई दिल्ली . . . . . सदस्य
  14. निवेशक [ ] जन सम्पर्क, कुछ विभाग . . . . . सदस्य
  15. प्रतिनिधि, हिमालयन सेवा संघ . . . . . सदस्य
  16. प्रतिनिधि, "दूर दर्शन", नई दिल्ली . . . . . सदस्य
  17. विकास आयुक्त, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली . . . . . सदस्य
  18. सचिव, केंद्रीय वानिकी आयोग . . . . . सदस्य सचिव
4. समिति के निम्नलिखित कार्य होंगे :—
- (क) प्रतिवर्ष 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस मनाने के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों को श्रद्धांग देना।
  - (ख) वर्तों के लिए तथा उनकी सुरक्षा हेतु प्रकृति एवं सामाजिक पर्यावरणों सहित सामंजस्य की आवश्यकता के लिए सामैजिक हितों को बढ़ाना।
  - (ग) प्रकृति संरक्षा सोसाइटियों के निर्माण में सहायता देना और उत्साहित करना तथा इस प्रकार के निकायों के केन्द्रीय समन्वय एजेंसी के रूप में कार्य करना।
  - (घ) कुछ प्रन्थ कार्यों को करना जो कि उन उद्देश्यों को काफी हृद तक पूरा करते हैं जिनके लिए यह समिति बनाई गई है।

5. समिति का कार्यकाल 1 वर्ष होगा। समिति अपनी कार्य विधियों को व्याप्ति निर्धारित करेगी।

6. समय समय पर मंशोधित कार्यालय जारी रखा जाए।

आदेश दिया जाता है कि मामान्य सूचना के लिए मंशोधित कार्यालय में प्रकाशित करने के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

ए० शी० स्थाल, संप्रूद्ध सचिव

#### समाज कस्तूरी विभाग

नई दिल्ली-110001, विनांक 23 फरवरी 1979

#### संकल्प

सं. 1-32/77-सी० एस० डस्य० बी०—22 अप्रैल, 1978 के संकल्प संख्या एफ० 1-32/77-सी० एस० डस्य० बी० के क्रम में भारत सरकार,

राज्य के सामने बताए गए प्रतिनिधि के स्वयं में निम्नलिखित व्यक्तियों को केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के साधारण निकाय के लिए नामित करती हैः—

राज्य/विभाग का नाम	प्रतिनिधि का नाम
(1) आनंद प्रदेश	श्रीमती दुर्गा भक्तवत्सल
(2) लिपुरा	श्रीमती इता भट्टाचार्य

2. बोर्ड का कार्यकाल 30 सितम्बर, 1978 तक है।
3. सन्दर्भ अधीन संकल्प में उल्लिखित अम्मा और कास्मीर के प्रतिनिधि के स्वयं में बेगम शेषा मुहम्मद अब्दुल्ला के नाम को अकबर जहाँ बेगम पढ़ा जाए।
4. 5 जुलाई, 1978 के संकल्प सं. I-32/77-सी० प्रग० ३५८० डबल्यू० बी० में उल्लिखित अम्मा के प्रतिनिधि के स्वयं में श्रीमती शविता प्रधानी के नाम को श्रीमती शविता रानी प्रधानी पढ़ा जाए।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति नियमित विभाग को भेजी जाएः—

1. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सभी सदस्य।
2. समस्त राज्य सरकार/संघ शासित क्षेत्र प्रशासन।
3. भारत सरकार के सभी मन्त्रालय/विभाग।
4. राष्ट्रपति सचिवालय।
5. प्रधानमन्त्री का कार्यालय।
6. थोजना आयोग।
7. लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय।
8. मन्त्रीमण्डल सचिवालय।
9. प्रेस सूचना कार्यालय, नई दिल्ली।
10. मन्त्रालयाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली।
11. कम्पनी कार्य विभाग, नई दिल्ली।
12. केन्द्रीय निदेशक, कम्पनी विधि बोर्ड, कानपुर।
13. कम्पनियों के रजिस्ट्रार, नई दिल्ली।
14. सचिव, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली।
15. सभी राज्य समाज कल्याण सलाहकार बोर्डों के अध्यक्ष।
16. सभी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के राज्यपालों/प्रशासकों के निजी सचिव।

यह सभी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित किया जाए।

ओ० पी० सिंह भाटिया,  
उप-सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

New Delhi-I, the 23rd February 1979

## ORDER

No. 27(26)79-CL.II.—In pursuance of clause (ii) of subsection I of section 209A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby authorises the following officers of the Government of India, in the Department of Company Affairs, for the purposes of the said Section 209A :—

## संस्कृति विभाग

नई दिल्ली, विनांक 28 फरवरी 1979

## संकल्प

सं० एफ० १-६/७८ सी० एच०-१—भारतीय ऐतिहासिक अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली के पुनर्गठन के सम्बन्ध में इस विभाग के संकल्प सं० एफ० १-६/७८-सी० ए०-१ (१) दिनांक १३ अक्टूबर, १९७८ में आंशिक संशोधन में क्रम सं० २५ पर उल्लिखित “विनीय मलाहकार शिक्षा और समाज कल्याण मन्त्रालय के स्थान पर” “विनीय सलाहकार, शिक्षा और समाज कल्याण मन्त्रालय अथवा उसका प्रतिनिधि” पढ़ा जाए।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति नियमित, भारतीय ऐतिहासिक—अनुसन्धान परिषद ३५ किरोजशाह रोड, नई दिल्ली को भेजी जाए।

यह आदेश भी दिया जाता है कि इस संकल्प की सार्वजनिक सूचना के सिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

कपिला वास्त्याय, संयुक्त शिक्षा सलाहकार

## निर्माण और आवास मन्त्रालय

नई दिल्ली, विनांक 19 जनवरी 1979

सं० जे-13037/41/77-डी० शी० III५०—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957. (1957 की सं० 61) की धारा 23 की उपधारा (५) के अनुसार में केन्द्रीय सरकार दिल्ली विकास प्राधिकरण को निम्नलिखित शर्तों पर जनवरी, 1979 में बुले गाजार में छह पत्तों को जारी करने की स्वीकृति देती हैः—

राशि :	१. २५ करोड़ रुपये (राशि का 10 प्रतिशत तक अधिक अंशवान के रखने के अधिकार सहित)
निर्गम मूल्य	संयाम
मुद्रा :	१० रुपये
स्वाज की वर	६-१/४ प्रतिशत वार्षिक
एमोदारी कमीशन	प्रति 100 रुपये पर 38 पैसे से अधिक नहीं।

२. केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा जारी किए जाने वाले उक्त छह पत्तों के मूलधन तथा उन पर देय स्वाज के पुनःभुगतान की एतद्वारा गारमी लेती है।

## एस० पी० विस्वास, उप-सचिव

1. Shri Sooraj Kapoor, Joint Director, Inspection, Company Law Board, New Delhi.
2. Shri B. Bhavani Shankar, Joint Director, Accounts, Company Law Board, New Delhi.
3. Shri N. K. Goel, Joint Director, Inspection, Company Law Board, New Delhi.
2. The Central Government hereby revokes the authorisation issued in favour of Shri Sooraj Kapoor, Joint Director, (Accounts) and Shri B. Bhavani Shankar, Deputy Director, Inspection vide this Department's Order No. 27(8)77-CL.II, dated 6-2-78, 27(5)76-CL.II, dated 7th June 1976.

B. BALARAMAN, Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
 (DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-  
 TIVE REFORMS  
 RULES

New Delhi, the 17th March 1979

No. 11013/1/79-IES.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1979 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information:—

(i) The Indian Economic Service, and

(ii) The Indian Statistical Service.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; The Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968, and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes, Order, 1970. to these rules.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either:—

(a) a citizen of India, or

(b) a subject of Nepal, or

(c) a subject of Bhutan, or

(d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to Categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 28 years on 1st January, 1979 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1951 and not later than 1st January, 1958.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable:—

(i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) up to a maximum of three years if a candidate is bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(vi) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;

(vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;

(x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and relaxed as a consequence thereof; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and

(xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

(xiii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

(c) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit on the crucial date viz. 1st January, 1979 and who was detained under the Maintenance of Internal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the

period of Internal Emergency between 25-6-75 and 21-3-77 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limits prescribed for admission to this examination, will be eligible to appear at the examination subject to the condition that he should not have sat for i.e. (he should have foregone) the examination at least once during the period between June, 1975 and March, 1977 for which he was eligible in all respects.

**NOTE.—**Under this concession, which will not be admissible for admission to any examination held after 31-12-1979, not more than one chance will be allowed.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS  
PREScribed CAN IN NO CASE BE RELAXED.**

6. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

**NOTE I.—**A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th October, 1979.

**NOTE II.—**In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications for admission to any examination held after 31-12-1979, not he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission.

**NOTE III.—**A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examinations at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, will be required to submit a 'No Objection Certificate' from the Head of their Office/Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure to the Commission's Notice.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or

- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit, or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for viva voce.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for viva voce by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for viva voce on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

16. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard

to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

**NOTE.**—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

#### 18. No person :

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through examination are stated in Appendix II.

P. G. LELE, Dy. Secy.

### APPENDIX I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—*Viva Voce* (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

S. No.	Subject	Maximum Marks	Time Allowed)
<b>A. Indian Economic Service</b>			
1.	General English . . .	150	3 Hrs.
2.	General Studies . . .	150	3 Hrs.
3.	General Economics I . . . (Part I and II)	200 Part I-1 Hr. Part II-2 Hrs. } 3 Hrs.	3 Hrs.
4.	General Economics II . . . (Parts I and II)	200 Part I-1 Hr. Part II-2 Hrs. } 3 Hrs.	3 Hrs.
5.	Indian Economics . . . (Parts I & II)	200 Part I-1 Hr. Part II-2 Hrs. } 3 Hrs.	3 Hrs.
<b>B. Indian Statistical Service</b>			
1.	General English . . .	150	3 Hrs.
2.	General Studies . . .	150	3 Hrs.
3.	Statistics I . . .	200	3 Hrs.
4.	Statistics II . . .	200	3 Hrs.
5.	Statistics III . . .	200	3 Hrs.

**NOTE I.**—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

**NOTE II.**—Part I of the paper on subject at S. Nos 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

**NOTE III.**—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type questions.

**NOTE IV.**—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see Candidates' Information Manual at Appendix IV.

**NOTE V.**—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

#### 3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

4. Candidates must write the papers in their own hand, in no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

### SCHEDULE

#### PART A

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/ Statistics.

#### General English

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words.

#### General Studies

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of Indian and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

#### General Economics—I

Theory of consumer's demand : Indifference curve analysis, Revealed preference approach.

Theory of production : Factors of production, Production functions. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value : Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution : Pricing of factors of production. Theories of rent, wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

**Welfare economics :** Old and new welfare economics. The compensation principle. Policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment, output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment. Post-Keynesian developments.

#### General Economics—II

Concept of economic growth and its measurement. Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

**Planning :** Concept and methods. Planning under capitalist and socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional planning. Investment criteria and choice of techniques.

**International economics :** Theories of international trade, gains from trade. Terms of trade. Trade policy. International trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments. Disequilibrium in balance of payments. Mechanism of adjustments. Foreign trade Multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and International Monetary Reform. GATT; International aid for economic growth. I.B.R.D. and its affiliates.

**Money :** Its value and functions. Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives : Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical averages and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

#### Indian Economics

Basic features of the Indian economy. Development strategy; Role of agriculture and industry; Role of foreign trade; Concept of balanced growth.

Planning : Objectives, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture : New agricultural strategy; land relations and land reforms; rural credit; role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary occupations and rural industries.

Cooperation : its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry : Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises : Organisation, management control and accountability, price policy.

Labour : Employment, unemployment and under-employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and incomes policy.

Foreign Trade : Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking : Organisation of the Indian money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve Bank of India. Monetary policy.

Public Finance : Fiscal policy; Growth of public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing. Union-State financial relations.

#### Statistics—I

NOTE :—Only objective (Multiple Choice) questions will be set.

Probability (40 percent weight).

Elements of measure theory. Classical definitions and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of  $m$  events out of  $n$ . Conditional probability. Bayes' theorem. Random variables—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, Cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial, beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants. Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

Statistical methods (45 percent weight)

Collection, compilation and presentation of data. Charts diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location, dispersion and skewness. Bivariate and Multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate distributions. Bivariate normal distribution. Regression-linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of  $X$ ,  $S^2$ ,  $t$ , chi-square and  $F$ ; tests of significance based on them.

Non-parametric tests—sign, median run, Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—Minimum, maximum, range and median.

Numerical Analysis (15 percent weight)

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange. Newton-Gregory, Newton (Divided difference), Gauss and Stirling. Euler-Maclaurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant co-efficients.

#### Statistics—II

NOTE :—Only objective (Multiple Choice) questions will be set.

Linear Models (25 percent weight)

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff set up. Least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators and two-way classified data—fixed and random effect models. Tests for regression co-efficients.

Estimation (25 percent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation methods of maximum likelihood, minimum chi-square, moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao inequality, Bhattacharya bounds. Sufficient estimator, Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

Hypothesis testing (25 percent weight)

Simple and composite hypotheses. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT. OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

Multivariate Analysis (25 percent weight)

Multivariate normal distribution. Estimation of mean Vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's  $T^2$  statistic, Mahalanobis's  $D^2$  statistic, partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

**Statistics—III**

**NOTE :** Only Essay type questions not involving lengthy and complicated proof, will be set.

**PART A (Compulsory for all)****Sampling Techniques (35 percent weight)**

Census versus sample survey Pilot and large scale sample surveys. Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster double, multiphase, multistage, and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

**Economic Statistics (25 percent weight)**

Components of time series. Methods of their determination—Variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

**PART B**

Candidates will be allowed option of answering questions on any one of the following topics

(i) Statistical Quality Control and Operations research  
(40 percent weight)

Different kinds of control charts for variables and attributes. Acceptance sampling by attributes—single, double, multiple, and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOQL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of Dodge-Romig and other tables.

Operations research approach. Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of duality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. M/M/I, M/M/C models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) Demography and Vital Statistics (40 percent weight)

The life table, its construction and properties. Makeham's and Gompertz curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and postcensal estimates. Projection methods including logistic curve fitting. Decennial population censuses in India.

(iii) Design and Analysis of Experiments  
(40 percent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and latin square designs. Factorial experiments and confounding 2<sup>n</sup> and 3<sup>n</sup> experiments. Split-plot and strip-plot designs. Construction and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) Econometrics (40 percent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities, structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least squares, heteroscedasticity, serial correlation, multi-collinearity, errors in variables model. Simultaneous equation models—Identification, rank and order conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

**PART B**

*Interview.*—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Services or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study, also in events which are happening around him both within and without his own state or country, as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

**APPENDIX II**

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination:

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows:

Selection Grade Rs. 2000-125/2-2250.  
(Non-functional)

Grade I—Director Rs. 1800-100-2000.

Grade II—Joint Director—Rs. 1500-60-1800.

Grade III—Deputy Director—Rs. 1100-50-1600.

Grade IV—Assistant Director Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension etc. for officers of the two services will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services, Group 'A'.

8. Conditions of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

### APPENDIX III

#### REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there is any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together, and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side, and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted & the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84-89 86-93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

**N.B.—**The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidates will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fraction of a half of a kilogram should not be noted.

6.(a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses.

Distance vision		Near vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye (Corrected vision)	Better eye (Corrected vision)	Worse eye (Corrected vision)
6/9	6/9 or 6/12	J. I	J. II

(d) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to

progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) Field of vision.—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) Night Blindness.—Broadly there are two types of night blindness. (1) as a result of vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa, in (1) the fundus is normal, generally seen in younger age-group and ill-nourished persons, and improves by large doses of Vit. A in (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in his category is an adult, and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in his category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment, and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical considerations it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) Ocular condition other than visual acuity.—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) Squint.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) One eye.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is embyloptic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit such persons provided the normal eye has:—

(i) 6/6 distant vision and JI near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 diopters for distant vision

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) Contact Lenses.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant visions should have an illumination of 15 foot-candles.

#### 7. Blood Pressure.

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15-25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

**N.B.—**As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic

disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

*Method of taking Blood Pressure*

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg, and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff (Some times as the cuff is deflated sounds are heard, at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test & will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- (1) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency
- (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decibel in speech frequencies of 1000 to 40000 .

- (3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type. (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.
- (ii) Marginal or attic perforation in both ears—unfit.
- (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.
- (4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides. (i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.
- (ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.
- (5) Persistently discharging ear-operated/unoperated. Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.
- (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
- (ii) If deviated nasal septum is present with symptoms —temporarily unfit.
- (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.
- (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily Unfit.
- (8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. (i) Benign tumours—Temporarily unfit.
- (ii) Malignant Tumours--Unfit.
- (9) Otosclerosis If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid —Fit.
- (10) Congenital defects of ear, nose or throat : (i) If not interfering with function fit  
Stuttering of severe degree—unfit.
- (11) Nasal Poly Temporarily Unfit.

- (b) that his speech is without impediment.
- (c) that his teeth, are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound.)
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease,
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g., if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidate may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Cabinet Sectt. (Dept. of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

#### Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effec-

tive service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician, (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should be as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (Medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

#### (a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below : -

1. State your name in full (in block letter). . . . .
2. State your age and birth place . . . . .
2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc, whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No', and if the answer is 'Yes', state the name of the race. . . . .
3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement of or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis; . . . . .

#### OR

- (b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment? . . . . .



- (c) Albumen .....  
 (d) Sugar .....  
 (e) Casts .....  
 (f) Cells .....  
 13. Report of Screening X-ray Examination of Chest .....  
 14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate? ??

Note.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respect for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service and Indian Statistical Service? ?  
 (ii) Is the candidate fit for field service? ?

Note.—The Board should record their findings under one of the following three categories:—

- (i) Fit .....  
 (ii) Unfit on account of .....  
 (iii) Temporarily unfit on account of .....  
 Place ..... Chairman .....  
 Date ..... Member .....  
 Member.....

#### APPENDIX—IV

#### CANDIDATE'S INFORMATION MANUAL

##### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

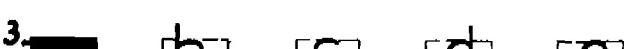
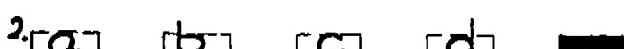
##### B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TJSI BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, .... etc. Under each item will be given suggested responses marked a,b,c, .... etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

##### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts.' Against each item, responses, a,b,c,d,e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



Your answer sheet (specimen enclosed) will be scored by an optical scoring machine which is sensitive to improper marking, use of non-HB pencils, and mutilated answer sheets. It is, therefore important that—

1. You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items. The machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spindle it.

##### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**
5. Write clearly in ink the name of the examination, test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous than you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

##### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to break the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the Supervisor.

##### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you **UNDERSTAND** the subject thoroughly.

#### G. CONCLUSION OF TEST.

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet and the answer sheet out of the examination Hall.

#### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?

- (a) the successors of Asoka were all weak
- (b) there was partition of the Empire after Ashoka
- (c) the northern frontier was not guarded effectively
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

2. In a parliamentary form of Government

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
- (b) the Legislature is responsible to the Executive
- (c) the Executive is responsible to the Legislature
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to :—

- (a) facilitate development
- (b) prevent disciplinary problems
- (c) provide relief from the usual class room work
- (d) allow choice in the educational programme.

(Answer—a)

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

(Answer—d)

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

#### MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS

#### DEPARTMENT OF CHEMICALS AND FERTILIZERS

New Delhi, the 13th February 1979

No. 151(6)/79-Ferts.Coord.—In pursuance of Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers, Deptt. of Chemicals and Fertilizers Resolution No. L-16013(4)/78-Ch.II/Desk,

dated 10th April 1978 constituting an Advisory Committee on Chemicals and Fertilizers, the following non-officials are nominated as Members of the said Committee.

#### (1) Members of Parliament

- (i) Shri M. R. Krishna,  
Member of Parliament (Rajya Sabha)  
4 Kushak Road, New Delhi.
- (ii) Smt. Aziza Imam,  
Member of Parliament (Rajya Sabha)  
39 South Avenue, New Delhi.
- (iii) Shri Balwant Singh Ramoowalia,  
Member of Parliament (Lok Sabha)  
10 Meenabagh, New Delhi.
- (iv) Shri A. Bala Pajanor,  
Member of Parliament (Lok Sabha)  
42 Canning Lane, New Delhi.
- (v) Shri Balak Ram,  
Member of Parliament (Lok Sabha)  
89 South Avenue, New Delhi.

#### (2) Representatives of the Industry

- (i) Shri M. A. Chidambaram,  
Chairman,  
Southern Petro-Chemical Industries Corp. Ltd.,  
MADRAS.
- (ii) Shri S. K. Agarwal,  
Managing Director,  
Kumar Bronze powders Ltd.,  
Tirikheth.
- (iii) Maj. Kapil Mohan,  
Chairman,  
Mohan Mcakin Breweries Ltd.,  
46-Pusa Road,  
NEW DELHI.

#### (3) Representatives of Academic Institutions

- (i) Prof. M. M. Sharma,  
Professor of Chemical Engineering,  
Dept. of Chemical Technology,  
BOMBAY University, Bombay.
- (ii) Dr. A. S. Cheema,  
Vice-Chancellor,  
Punjab Agricultural University,  
LUDHIANA.

#### (4) Non-Official Public Men

- (i) Shri Robin Mitra,  
Hevett Road,  
LUCKNOW.
- (ii) Shri Sudarshan Nair,  
General Secretary,  
Trivandrum,  
KERALA.
- (iii) Shri G. S. Nihalsinghwala,  
Ex-Parliamentary Secretary, Punjab,  
Sec. II-B, House No. 708,  
CHANDIGARH.

K. P. SRIVASTAVA, Dy. Secy.

#### MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

#### (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 20th January 1979

#### RESOLUTION

No. 19-80/77-FRY(FD).—The Government of India have decided to reconstitute with immediate effect the Indian Lac Development Council set up vide their Resolution No. 451/73-CA I, dated the 6th November 1973. The reconstituted Council will be composed as follows :—

#### I. CHAIRMAN

A non-official to be nominated by the Government of India.

#### II. VICE-CHAIRMAN

Inspector General of Forests to the Government of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture).

**III MEMBERS****(A) Representatives of State Governments.**

One representative from each of the following State Governments to be nominated by the respective State Governments.

- (i) Bihar.
- (ii) Madhya Pradesh.
- (iii) Maharashtra.
- (iv) Orissa.
- (v) West Bengal.

**(B) Representatives of Central Government.**

- (i) One representative of the Planning Commission.
- (ii) One representative of the Ministry of Commerce.
- (iii) Agriculture Commissioner to Government of India or his nominee.
- (iv) Director General, Indian Council of Agricultural Research or his nominee.
- (v) Deputy Inspector General of Forests dealing with Lac in Forest Division.
- (vi) Director, Indian Lac Research Institute, Ranchi.

**(C) Growers' Representatives**

One Growers' Representative each to be nominated by the respective State Governments from the following lac growing States :

- (i) Bihar.
- (ii) Madhya Pradesh.
- (iii) Orissa.
- (iv) Uttar Pradesh.
- (v) West Bengal.

**(D) Representatives of Traders**

- (i) Three representatives of traders to be nominated on the Council by Ministry of Commerce out of the candidates recommended by various recognised chambers of Commerce and other trade Bodies.
- (ii) Chairman Shellac Export Promotion Council

**(E) Representatives of Industry**

Three representatives of Lac Processing Industry.

**(F) OTHERS :**

- (i) Three Members of Parliament to be nominated by the Department of Parliamentary Affairs
- (ii) One Representative each of Workers :
  - (a) engaged in farms.
  - (b) engaged in factories.

(G) Such additional persons as may, from time to time, be nominated by the Government of India to represent interest(s) not already represented on the Council.

**IV. MEMBER SECRETARY :**

The Director, Directorate of Lac Development, Ranchi.

**V. OBSERVERS :**

(who would not be members of the Council but may be invariably invited to assist the Council in the deliberations).

1. Chairman, State Trading Corporation or his representatives.
2. Agricultural Marketing Adviser, Government of India, Ministry of Agriculture and Irrigation or his representative.
3. Financial Adviser, Ministry of Agriculture and Irrigation.
4. Economics and Statistical Adviser, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture) or his representative.
5. National Cooperative Development Corporation, New Delhi.
6. Joint Commissioner (CC), Ministry of Agriculture and Irrigation, Department of Agriculture, New Delhi

7. Bihar State Lac Cooperative Marketing Federation Ltd., Ranchi.

**FUNCTIONS**

2. The Council will be an advisory body and will have the following functions :—

- (i) to consider the development programmes formulated on lac by the Central and State Governments, review their progress from time to time and recommend measures for accelerating progress;
- (ii) to examine the problems of marketing, processing storage and transport of lac and its trade and pricing and to advise the Government thereon;
- (iii) to bring suitable coordination between research and development programme on lac by formulation of the programme and in advising research agencies about the quality needs of the market in the commodity;
- (iv) to consider the needs of the export market for lac and adjust the programmes of development suitably thereto; and
- (v) to perform such other functions likely to assist in the development of lac, as may be assigned from time to time.

3. The Indian Lac Development Council will have powers to set up Standing Committee, Technical Committee and ad-hoc Committee to look into specific issues and to co-opt members, where necessary for particular purpose (such as representatives of Agricultural Universities and other special interests).

4. The Council will meet periodically in areas in which lac is grown at important centres of trade and industry and will make recommendations to the Government of India.

5. The Council will continue to function until it is abolished by a Resolution of the Government. The term of the Chairman and other non-official members of the Council would be three years from the date they are nominated on the Council unless this period is curtailed or extended by a specific order of the Government of India. A non-official member would, however, be eligible for being considered for re-appointment.

6. Those members of the Council who are nominated from among Members of the Parliament will cease to be the members of the Council as soon as they cease to be Members of the Parliament.

**ORDER**

**ORDERED** that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of Union Territories and Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariat.

2. **ORDERED** also that the Resolution be published in Gazette of India for general information.

The 7th February 1979

**RESOLUTION**

No. 1-1/79-FRY(FD).—At the Twenty-third General Assembly of the European Confederation of Agriculture, held in Spain, it was approved to establish a World Forestry Day for which the co-operation of all concerned International Organisations was requested. Accordingly, it was recommended to observe the World Forestry Day on 21st March every year and also to establish a Forestry Day Commission for the purpose in each country.

2. In view of the fact that there is considerable lack of knowledge of what forest wealth means to man, considering that dissemination of available information on Forestry would be useful and that focussing the attention of the public on various forestry problems would involve enthusiasm and interest in forestry, the Standing Committee of the Central Board of Forestry at its meeting held in November 1973, had recommended the acceptance of the proposal for setting up a suitable National Forestry Day Commission in the country.

3. The Government of India have accepted the recommendation and have decided to constitute a National World

Forestry Day Committee. The composition of the Committee shall be as follows :

**CHAIRMAN**

1. Inspector General of Forests.

**MEMBERS**

2. Joint Secretary (F&WD).
3. Additional Inspector General of Forests.
4. President, Forest Research Institute and Colleges, Dehradun.
5. Director General of Tourism.
6. Director General, All India Radio.
7. Representative of Bombay Natural History Society.
8. Representative of Million Trees Club, Mangalore.
9. Representative of Youth Hostel Association of India, New Delhi.
10. Representative of Friends of Trees, Bombay.
11. Representative of Satya, New Delhi.
12. Representative of National Committee on Environmental Planning and Co-ordination.
13. Representative of Ministry of Education and Social Welfare (Department of Education).
14. Director Public Relations, Department of Agriculture.
15. Representative of Himalayan Seva Sangh.
16. Representative of Door Darshan.
17. Development Commissioner, Delhi Admn. Delhi.

**MEMBER SECRETARY**

18. Secretary, Central Forestry Commission.
4. The functions of the Committee shall be :—
  - (a) To advise the Central and State Governments on the ways and means to celebrate the World Forestry Day on 21st March every year.
  - (b) To promote public interests in Forests and the need for its preservation in harmony with natural and human environment.
  - (c) To assist and encourage formation of nature conservation societies and to act as a Central Coordination Agency for such bodies.
  - (d) To perform such other functions as are germane to the purposes for which this Committee has been constituted.
5. The term of the Committee would be one year. The Committee will decide its own working.
6. Non-official members would be paid TA/DA to attend the meeting in accordance with the orders of the Ministry of Finance contained in their O.M. No. 6(26)E-IV/59, dated the 5th September 1960 as amended from time to time as for Grade I officers of the Government of India.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N. D. JAYAL, Jr. Secy.

**DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE**

New Delhi-110001, the 23rd February 1979

**RESOLUTION**

No. 1-32/77-CSWB.—In continuation of Resolution No. F. 1-32/77-CSWB, dated 22nd April 1978, the Government of India is pleased to nominate the following persons on the General Body of the Central Social Welfare Board with immediate effect, as representatives of the State mentioned against each :—

Name of the State/Dept. and Name of the representative

1. Andhra Pradesh—Smt. Durga Bhaktavatsal.
2. Tripura —Smt. Ila Bhattacharya.
2. The tenure of the Board is upto 30 September 1980.
3. The name of Begum Sheikh Mohammad Abdullah as the representative of Jammu and Kashmir referred to in the Resolution under reference may be read as Smt. Akbar Jahan Begum.
4. The name of Smt. Sabita Pradhani as the representative of Assam referred to in the Resolution No. 1-32/77-CSWB, dated 5th July 1978 may be read as Smt. Sabita Rani Pradhani.

**ORDER**

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :—

1. All Members of the Central Social Welfare Board.
2. All the State Governments/Union Territories.
3. All the Ministries/Departments of the Government of India.
4. President's Secretariat.
5. Prime Minister's Office.
6. Planning Commission.
7. Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat.
8. Cabinet Secretariat.
9. Press Information Bureau, New Delhi.
10. The Accountant General Central Revenue, New Delhi.
11. Department of Company Affairs, New Delhi.
12. Regional Director, Company Law Board, Kanpur.
13. Registrar of Companies, New Delhi.
14. Secretary, C.S.W.B., New Delhi.
15. All Chairmen, State Social Welfare Advisory Boards.
16. PS to Governors/Administrators/Lt. Governors/Chief Commissioners of States/UTs.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

O. P. SINGH BHATIA, Dy. Secy.

**DEPARTMENT OF CULTURE**

New Delhi, the 26th February 1979

**RESOLUTION**

No. F. 1-6/78-CHI.—In partial modification of this Department Resolution No. F.1-6/78-CAI(I), dated the 13th October 1978, regarding the reconstitution of the Indian Council of Historical Research, New Delhi the entry "Financial Adviser" Ministry of Education and Social Welfare appearing at S. No. 25 may be read as Financial Adviser, Ministry of Education and Social Welfare or his representative."

**ORDER**

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Director Indian Council of Historical Research, 35, Ferozeshah Road, New Delhi.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

KAPILA VATSYAYAN,  
Jt. Educational Adviser

## MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 19th Japuary 1979

No. J-13037/41/77-DDIIIA.—In pursuance of sub-section (5) of section 23 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957) the Central Government hereby approves the issue of Debentures by the Delhi Development Authority in the open market in January 1979 on the following terms:—

*Amount* : Rupees 9.25 crores (with right to retain excess subscriptions upto ten per cent of the amount).

*Issue Price* : At par.*Currency* : 10 years.*Rate of Interest* : 6½% per annum.*Brokerage* : Not exceeding 6 paise per Rs. 100.*Underwriting commission* : Not exceeding 38 paise per Rs. 100.

2. The Central Government hereby guarantees the repayment of the principal and of interest on the aforesaid Debentures to be issued by the Delhi Development Authority.

S. P. BISWAS, Dy. Secy.

